RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
# चेतना मंच

पेज 7 ड्रीम गर्ल 2 से छुट्टी होने पर...

वर्ष : 27 अंक : 114 website:www.chetnamanch.com नोएडा, मंगलवार, 15 अप्रैल, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

# पांच बच्चों की माँ ने प्रेमी के साथ की आत्महत्या

## जेब से मिला सुसाइड नोट, चार वर्ष से चल रहा था प्रेम-प्रसंग

**बुलंदशहर ( एजेंसी )।** उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में पांच बच्चों की मां ने पड़ोसी गांव के अविवाहित युवक के साथ आम के पेड़ पर दुपट्टा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। युवक की जेब से सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में युवक ने महिला के पति पर प्रेम प्रसंग का विरोध करने व दोनों को नहीं मिलने देने का आरोप लगाया है।

सिकंदराबाद सीओ पूर्णिमा सिंह ने बताया कि मंगलवार की सुबह विघेपुर गांव स्थित आम के बाग में पेड़ से एक महिला और युवक का शव दुपट्टे से लटके मिले। दोनों शव की पहचान ककोड़ थाना क्षेत्र के गांव लडुकी हसनपुर निवासी 25 वर्षीय मनीष पुत्र सोहनपाल व पड़ोसी गांव नटो की नगला निवासी 26 वर्षीय सपना पत्नी बच्चू के रूप में हुई है।

सीओ ने बताया कि सपना पांच बच्चों की मां हैं। दोनों के बीच पिछले चार वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा था। मनीष मजदूरी का कार्य करता था। वहीं महिला का पति भी बच्चू भी मजदूरी करता है। दोनों के बीच चल रहे प्रेम प्रसंग का पति को पता चल गया था। इस पर पति इसका विरोध करता था और दोनों को मिलने नहीं देता था। इसी के चलते महिला और उसके प्रेमी युवक ने विघेपुर गांव स्थित आम के बाग में पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली।

सीओ पूर्णिमा सिंह ने बताया, कि युवक मनीष की जेब से सुसाइड नोट मिला है। इसमें लिखा है कि महिला का पति उन्हें मिलने नहीं देता था, जिसके कारण दोनों ने आत्महत्या की है। सीओ ने बताया कि थाने पर (शेष पृष्ठ-4 पर)

# 'अस्पताल से नवजात बच्चा चोरी होने पर लाइसेंस हों सस्पेंड'

## सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी : यूपी प्रशासन की आलोचना, 21 अप्रैल को सुनवाई

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** सुप्रीम कोर्ट ने आज एक बड़ी टिप्पणी करते हुए दिल्ली-एनसीआर में जिन अस्पतालों से बच्चे चोरी हो रहे हैं उनका लाइसेंस सस्पेंड करने की बात कही है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बाल तस्करी रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी नाराजगी जताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी नवजात बच्चे को हॉस्पिटल से चुराया जाता है तो सबसे पहले उस अस्पताल का लाइसेंस सस्पेंड होना चाहिए। कोर्ट ने यह टिप्पणी दिल्ली- एनसीआर में नवजात बच्चों की तस्करी के गैंग के पर्दाफाश से जुड़ी खबर पर संज्ञान लेते हुए की।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के बच्चों की तस्करी के मामले में आदेश सुनाया और दिल्ली में इस गैंग के पकड़े जाने की घटना का जिक्र किया है। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली गैंग के पर्दाफाश की घटना अपनेआप में हतप्रभ कर देने वाली है और कोर्ट के दखल की जरूरत है।

कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से इस बारे में स्थिति जांच रिपोर्ट भी तलब की है। कोर्ट ने पुलिस से पूछा है कि दिल्ली के अंदर और बाहर से सक्रिय इस तरह के बच्चा चोर गिरोहों से निपटने के लिए उनकी ओर से क्या कदम उठाए जा रहे हैं? कोर्ट ने स्वत: संज्ञान के मामले पर अगली सुनवाई 21 अप्रैल को तय कर दी है।

### यूपी प्रशासन की आलोचना

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर यूपी के प्रशासन की आलोचना की और ऐसे अपराधों को रोकने के लिए राज्यों को सख्त दिशा-निर्देश दिए। बेंच ने निचली अदालतों को ऐसे मामलों की सुनवाई छह महीने के भीतर पूरी करने का आदेश दिया। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि किसी नवजात की तस्करी होती है तो अस्पतालों के लाइसेंस निलंबित कर दिए जाएं। शीर्ष अदालत ने कहा, देश भर के हाई कोर्ट को बाल तस्करी के मामलों में लंबित मुकदमों की स्थिति के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया जाता है। इसके बाद 6 महीने में मुकदमे को पूरा करने और दिन-प्रतिदिन सुनवाई करने के निर्देश जारी किए जाएंगे।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच अस्पतालों से बच्चा चोरी करने वाले गिरोह से जुड़े एक मामले में जमानत को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रही थी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

# महिला पर रौब झाड़ने वाले चौकी इंचार्ज पर एक्शन

**गाजियाबाद ( ब्यूरो )।** गाजियाबाद में महिला पर रौब झाड़ने तथा उसे धमकाने वाले चौकी इंचार्ज पर एक्शन लिया गया है। आपको बता दें कि सिकंदरपुर चौकी इंचार्ज का वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह महिला से अभद्रता कर रहे थे। वीडियो वायरल होने के बाद गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों ने महिला को धमकाने वाले चौकी इंजार्ज पर कार्यवाही की है। आपको बता दें कि गाजियाबाद के टीला मोड़ के सिकंदरपुर चौकी इंजार्च विमल कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वीडियो में कुर्सी पर बैठे विमल कुमार एक महिला को धमका रहे हैं। महिला एक मामले में उनसे कार्रवाई करने की बात कह रही है। वहीं चौकी इंचार्ज महिला के पति को बलात्कार के मामले में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने चौकी इंचार्ज विमल कुमार पर कार्यवाही की है। सूत्रों के अनुसार चौकी इंचार्ज कर लाइन हाजिर कर दिया गया है।

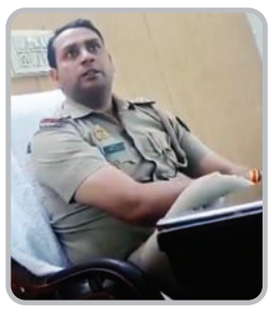

# सीटों पर बात, सीएम चेहरे का इंतजार

## बिहार चुनाव को लेकर राहुल-खड़गे से मिले तेजस्वी

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** बिहार विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे तथा कांग्रेस, राजद गठबंधन में सीएम चेहरे पर बातचीत को लेकर आज

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और अन्य कांग्रेस-राजद नेताओं ने दिल्ली में मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक की। यह बैठक लगभग 1 घंटे चली। सूत्रों के मुताबिक बैठक में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा हुई है।

बैठक के बाद आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने बैठक की और सकारात्मक चर्चा हुई। हम 17 अप्रैल को पटना में फिर मिलेंगे। हम पूरी तरह तैयार हैं और हम बिहार को आगे ले जाना चाहते हैं। (शेष पृष्ठ-4 पर)

# शादी में दो युवकों को गोली मारी

**गाजियाबाद ( चेतना मंच )।** मोदीनगर के निवाड़ी थाना क्षेत्र के गांव डबाना में जमीनी विवाद में दो युवकों को गोली मार दी गई। वे ग्राम प्रधान अजय के बेटे के शादी समारोह में शामिल होने आए थे। गोली मारने वालों की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

जानकारी के मुताबिक शादी समारोह में किसी बात को लेकर आरोपित चर्चिल व रिंकू की योगेश और मुन्नू से कहासुनी हो गई। चर्चिल व रिंकू की तरफ से पिस्टल से फायरिंग की गई। जिसमें योगेश व मुन्नू को गोली लगी। दोनों को मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी कोई शिकायत थाने में नहीं दी गई है। गोली मारने के बाद आरोपी फरार हो गए। अस्पताल में भर्ती दोनों युवकों की हालत नाजुक है।

# रॉबर्ट वाड्रा की ईडी के सामने पेशी, पैदल पहुंचे ईडी दफ्तर

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और जाने माने कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा को जमीन सौदा मामले में दूसरी बार तलब किया है। समन के तहत वे मंगलवार सुबह ईडी दफ्तर पहुंचे। इससे पहले उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि यह कार्रवाई जनता की आवाज दबाने की कोशिश है। इससे पहले ईडी ने उन्हें समन कर 8 अप्रैल को पेश होने को कहा था। रॉबर्ट वाड्रा पैदल ही ईडी दफ्तर पहुंचे। इस दौरान मीडिया के कैमरे उनके पीछे थे।

सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत वाड्रा का बयान दर्ज करेगी। इससे पहले संघीय जांच एजेंसी ने एक अन्य धन शोधन मामले में वाड्रा से पूछताछ की थी।

ईडी ने मंगलवार को हरियाणा के शिकोहपुर भूमि सौदे से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में रॉबर्ट वाड्रा को समन भेजा है। वाड्रा पहले समन पर उपस्थित नहीं हुए थे, जो 8 अप्रैल को जारी किया गया था। उन्हें पूछताछ के लिए ईडी के सामने उपस्थित होने के लिए कहा गया, क्योंकि केंद्रीय जांच एजेंसी उनकी फर्म स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी से संबंधित कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही है। ईडी के मुताबिक, रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी ने फरवरी 2008 में ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से गुड़गांव के शिकोहपुर में 3.5 एकड़ का प्लॉट 7.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। उनकी कंपनी ने इसके बाद जमीन को रियल एस्टेट दिग्गज डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेच दिया।

### बदले के तहत कार्रवाई : वाड्रा

ईडी दफ्तर जाते वक्त रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि सरकार बदले के तहत कारवाई कर रही है। मुझे नहीं पता कि आखिर गलती क्या है। मुझे किसी से भी कुछ भी छिपाने की जरूरत नहीं है। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। मेरे खिलाफ जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। यह सब कुछ मुझे परेशान करने और फंसाने के लिए किया जा रहा है। इस मामले में कुछ भी नहीं है। पिछले 20 सालों में मुझे 15 बार बुलाया गया और हर बार 10 घंटे से ज्यादा पूछताछ की गई। मैंने 23000 दस्तावेज जमा किए हैं। मुझसे जो भी पूछा जाएगा, उन्हें सब बताएंगे।

# नोएडा का अट्टा मार्किट है बदहाल, सुविधाओं का अभाव

**नोएडा ( चेतना मंच )।** अट्टा मार्किट ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने नोएडा की शान अट्टा मार्किट की बदहाल स्थिति पर चिंता जताई है। एसोसिएशन ने दावा किया है कि पार्किंग और अन्य सुविधाओं के अभाव में अट्टा मार्किट के व्यापारी पलायन के लिए मजबूर हो रहे हैं।

अट्टा मार्किट ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सीबी झा ने एक प्रेसवार्ता में बताया कि वर्तमान में अट्टा मार्किट अव्यवस्था एवं गंदगी की चपेट में है। महिलाओं के लिए मुख्य मार्ग पर शौचालय का अभाव है। वहीं वरिष्ठ नागरिक भी अट्टा मार्किट में आने से कतराते हैं। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत पिंक शौचालय अज्ञात कारणों से स्थगित है (शेष पृष्ठ-4 पर)

## नोएडा का स्पोर्ट्स सिटी घोटाला

# बिल्डरों ने CBI के सामने उगले राज, कई अधिकारियों के नाम लिये

- **CBI की जांच से नोएडा प्राधिकरण में हड़कंप की स्थिति**

**नोएडा ( चेतना मंच )।** 9000 करोड़ के नोएडा स्पोर्ट्स सिटी घोटाले में तीन एफआईआर दर्ज करने के बाद बिल्डरों से पूछताछ शुरू कर दी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सीबीआई की एक टीम ने नोएडा आकर दो बिल्डरों से पूछताछ की। टीम ने प्राधिकरण दफ्तर में स्पोर्ट्स सिटी से जुड़े दस्तावेज भी खंगाले।

CBI की टीम नोएडा स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट घोटाले में शामिल बिल्डरों से पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि शनिवार को भी बिल्डरों से पूछताछ की गई है। सूत्रों से पता चला है कि बिल्डरों ने पूछताछ में नोएडा अथॉरिटी के कई अधिकारियों के नाम लिए हैं। जिसके बाद से नोएडा अथॉरिटी में हड़कंप मचा हुआ है। इस मामले में नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों को भी आरोपी बनाया गया है।

नोएडा स्पोर्ट्स सिटी घोटाले में तीन एफआईआर दर्ज करने के बाद सीबीआई बिल्डरों से पूछताछ कर रही है। शनिवार को भी सीबीआई की अलग-अलग टीमों ने विभिन्न लोगों से पूछताछ की।

### पुराने अधिकारियों से भी पूछताछ

CBI ने बिल्डरों से उनकी परियोजनाओं के लिए जमीन आवंटन, बेचे गए भूखंड, शेल कंपनियों समेत कई बिंदुओं पर जानकारी ली। सूत्रों से पता चला है कि इस दौरान CBI अथॉरिटी में जमे पुराने अधिकारियों से भी पूछताछ की है। बताया जा रहा है कि सीबीआई जल्द ही एक और परियोजना में केस दर्ज कर सकती है। बता दे कि CBI की तरफ से पहली एफआईआर लॉजिक्स इंफ्रा डेवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और दूसरी लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर की गई। दोनों पर वर्ष 2011 से 2017 तक बिल्डरों, कंसोर्टियम और नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों के साथ मिलकर कथित तौर पर घर खरीदारों के रुपये हड़पने का आरोप है। गौरतलब है कि करीब तीन सप्ताह पहले हाईकोर्ट ने अलग-अलग याचिकाओं में CBI, ED और नोएडा अथॉरिटी को कार्रवाई के आदेश दिए थे। इसके बाद जांच में तेजी आ गई है।

### तीन एफआईआर, 6 आरोपी

CBI ने अपनी एफआईआर में छह आरोपी बनाए हैं। लॉजिक्स इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को पहला आरोपी बनाया है। इसके अलावा कंपनी के डायरेक्टर शक्ति नाथ, मीना नाथ और विक्रम नाथ शामिल है। वहीं, नोएडा अथॉरिटी के अज्ञात अधिकारी और अन्य अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इसी तरह दूसरी एफआईआर लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन पर की गई है। ये परियोजना सेक्टर-150 एससी-1 और इससे जुड़ी 12 सबलीज कंपनियों से जुड़ी है, जिसमें सभी 12 के नाम शामिल हैं। सीबीआई ने लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन के निदेशक निर्मल सिंह, विद्युर भारद्वाज, सुरप्रीत सिंह सूरी और नोएडा प्राधिकरण के अज्ञात अधिकारी और एक अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है।

ADMISSION OPEN
SARASWATI
GLOBAL
SCHOOL
NCERT
BOOKS
(Buy NCERT Books from any stationary shop)
Sector 22 Noida
Mob.8750611103

## युवाओं का पलायन

केरल की गिनती देश के सबसे शिक्षित राज्यों में होती है। लेकिन आज 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। दरअसल, समुद्र तट से लगे इस राज्य में खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ लगी रही है। शिक्षा ने जहां प्रगतिशील सोच दी है, वहीं अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है। यह होड़ हाल के वर्षों में पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा। एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक-दूसरे के हाल-चाल जान सकें। निश्चय ही ऐसे वैकल्पिक प्रयासों से सामाजिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। यह वक्त बताएगा कि लाल-फीताशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कब तक कारगर भूमिका निभाना शुरू करेगा। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है। देखना होगा कि सरकारी अधिकारी कितनी संवेदनशीलता से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करते हैं। सरकार का दावा है कि यह आयोग एकाकीपन का त्रास झेल रहे बुजुर्गों के अधिकार, कल्याण और पुनर्वास के लिये काम करेगा। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। लेकिन देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के घुन से खोखली होती व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिक आयोग ऐसे संकट का कारगर समाधान उपलब्ध कराने में किस हद तक सफल हो पाता है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता इसमें सहायक बनेगी। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में युवा भारत बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं?

## रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था कि ऐसे ( महान ) प्रभु भी सेवक के वश में हैं और भक्तों के लिए ( दिव्य ) लीला विग्रह धारण करते हैं। यदि वेदों में यह वचन सत्य कहा है, तो हमारी अभिलाषा भी अवश्य पूरी होगी॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**दो0-एहि बिधि बीते बरष षट सहस बारि आहार।**
**संबत सप्त सहस्त्र पुनि रहे समीर अधार॥**

इस प्रकार जल का आहार (करके तप) करते छह हजार वर्ष बीत गए। फिर सात हजार वर्ष वे वायु के आधार पर रहे॥

**बरष सहस दस त्यागेउ सोऊ। ठाढ़े रहे एक पद दोऊ॥**
**बिधि हरि हर तप देखि अपारा। मनु समीप आए बहु बारा॥**

दस हजार वर्ष तक उन्होंने वायु का आधार भी छोड़ दिया। दोनों एक पैर से खड़े रहे। उनका अपार तप देखकर ब्रह्मा, विष्णु और शिवजी कई बार मनुजी के पास आए॥

**मागहु बर बहु भाँति लोभाए। परम धीर नहिं चलहिं चलाए॥**
**अस्थिमात्र होइ रहे सरीरा। तदपि मनाग मनहिं नहिं पीरा॥**

उन्होंने इन्हें अनेक प्रकार से ललचाया और कहा कि कुछ वर माँगो। पर ये परम धैर्यवान (राजा-रानी अपने तप से किसी के) डिगाए नहीं डिगे। यद्यपि उनका शरीर हड्डियों का ढाँचा मात्र रह गया था, फिर भी उनके मन में जरा भी पीड़ा नहीं थी॥

(क्रमशः...)

# भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने में सांस्कृतिक संगठनों को भी निभानी होगी विशेष भूमिका

प्राचीनकाल में भारत विश्व गुरु रहा है इस विषय पर अब कोई शक की गुंजाईश नहीं रही है क्योंकि अब तो पश्चिमी देशों द्वारा पूरे विश्व के प्राचीन काल के संदर्भ में की गई रिसर्च में भी यह तथ्य उभरकर सामने आ रहे हैं। भारत क्यों और कैसे विश्व गुरु के पद पर आसीन रहा है, इस संदर्भ में कहा जा रहा है कि भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के नियमों के आधार पर भारतीय नागरिक समाज में अपने दैनंदिनी कार्य कलाप करते रहे हैं। साथ ही, भारतीयों के डीएनए में आध्यतम पाया जाता रहा है जिसके चलते वे विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अपने कार्यों को धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। लगभग समस्त भारतीय, काम, अर्थ एवं कर्म को भी धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। काम, अर्थ एवं कर्म में चूंकि तामसी प्रवृत्ति का आधिक्य बहुत आसानी से आ जाता है अत: इन कार्यों को तासमी प्रवृत्ति से बचाने के उद्देश्य से धर्म से जोड़कर इन कार्यों को सम्पन्न करने की प्रेरणा प्राप्त की जाती है। जैसे, भारतीय शास्त्रों में काम में संयम रखने की सलाह दी जाती है तथा अर्थ के अर्जन को बुरा नहीं माना गया है परंतु अर्थ का अर्जन केवल अपने स्वयं के हित के लिए करना एवं इसे समाज के हित में उपयोग नहीं करने को बुरा माना गया है। इसी प्रकार, दैनिक जीवन में किए जाने वाले कर्म भी यदि धर्म आधारित नहीं होंगे तो जिस उद्देश्य से यह मानव जीवन हमें प्राप्त हुए है, उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो सकेगी।

प्राचीनकाल में भारत में राजा का यह कर्तव्य होता था कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट नहीं हो और यदि किसी राज्य की प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट होता था तो वह नागरिक अपने कष्ट निवारण के लिए राजा के पास पहुंच सकता था। परंतु, जैसे जैसे राज्यों का विस्तार होने लगा और राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि होती गई तो उस राज्य में निवास कर रहे नागरिकों के कष्टों को दूर करने के लिए धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन भी आगे आने लगे एवं नागरिकों के कष्टों को दूर करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करने लगे। समय के साथ साथ धनाडय वर्ग भी इस पावन कार्य में अपनी भूमिका निभाने लगा। फिर, और आगे के समय में एक नागरिक दूसरे नागरिक की परेशानी में एक दूसरे का साथ देने लगे। परिवार के सदस्यों के साथ पड़ौसी, मित्र एवं सहृदयी नागरिक भी इस प्रक्रिया में अपना हाथ बंटाने लगे। इस प्रकार प्राचीन भारत में ही व्यक्ति, परिवार, पड़ौस, ग्राम, नगर, प्रांत, देश एवं पूरी धरा को ही एक दूसरे के सहयोगी के रूप में देखा जाने लगा। वसुधैव कुटुंबकम, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय, सर्वे भवंतु सुखिनः का भाव भी प्राचीन भारत में इसी प्रकार जागृत हुआ है। व्यक्ति से समष्टि की ओर, की भावना केवल और केवल भारत में ही पाई जाती है।

वर्तमान काल में लगभग समस्त देशों में चूंकि समस्त व्यवस्थाएं साम्यवाद एवं पूंजीवाद के नियमों पर आधारित हैं, जिनके अनुसार, व्यक्तिवाद पर विशेष ध्यान दिया जाता है और परिवार तथा समाज कहीं पीछे छूट जाता है। केवल मुझे कष्ट है तो दुनिया में कष्ट है अन्यथा किसी और नागरिक के कष्ट पर मेरा कोई ध्यान नहीं है। जैसे यूरोपीयन देश उनके ऊपर किसी भी प्रकार की समस्या आने पर पूरे विश्व का आह्वान करते हुए पाए जाते हैं कि जैसे उनकी समस्या पूरे विश्व की समस्या है परंतु जब इसी प्रकार की समस्या किसी अन्य देश पर आती है तो यूरोपीयन देश उसे अपनी समस्या नहीं मानते हैं। यूरोपीयन देशों में पनप रही आतंकवाद की समस्या पूरे विश्व में आतंकवाद की समस्या मान ली जाती है। परंतु, भारत द्वारा झेली जा रही आतंकवाद की समस्या यूरोप के लिए आतंकवाद नहीं है। यह पश्चिमी देशों के डीएनए में है कि विकास की राह पर केवल मैं ही आगे बढ़ूँ, जबकि भारतीयों के डीएनए में है कि सबको साथ लेकर ही विकास की राह पर आगे बढ़ा जाय। यह भावना भारत में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों में भी कूट कूट कर भरी है। इसी तर्ज पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। संघ के लिए राष्ट्र प्रथम है, और भारत में निवास करने वाले हम समस्त नागरिक हिंदू हैं, क्योंकि भारत में निवासरत प्रत्येक नागरिक से सनातन संस्कृति के संस्कारों के अनुपालन की अपेक्षा की जाती है। भले ही, हमारी पूजा पद्धति भिन्न भिन्न हो सकती है, परंतु संस्कार तो समान ही रहने चाहिए। इसी विचारधारा के चलते आज संघ देश के कोने कोने में पहुंचने में सफल रहा है। संघ ने न केवल राष्ट्र को एकजुट करने का काम किया है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के समय तथा उसके बाद राहत एवं पुनर्वास कार्यों में भी अपनी सक्रिय भूमिका सफलतापूर्वक निभाई है। इस वर्ष संघ अपना शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है परंतु संघ इसे अपनी उपलब्धि बिल्कुल नहीं मानता है बल्कि संघ के लिए तो शताब्दी वर्ष भी जैसे स्थापना वर्ष है और उसी उत्साह से अपने कार्य को विस्तार तथा सुदृढीकृत करते हुए आगे बढ़ने की बात कर रहा है। संघ का अपनी 100 वर्षों की स्थापना सम्बंधी उपलब्धि को उत्सव के रूप में मनाने का विचार नहीं है बल्कि इस उपलक्ष में संघ के स्वयंसेवकों से अपेक्षा की जा रही है कि वे आत्मचिंतन करें, संघ कार्य के लिए समाज द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार प्रकट करें एवं राष्ट्र के लिए समाज को संगठित करने के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करें।

शताब्दी वर्ष में समस्त स्वयंसेवकों से अधिक सावधानी, गुणवत्ता एवं व्यापकता से कार्य करने का संकल्प लेने हेतु आग्रह किया जा रहा है।

**प्राचीनकाल में भारत में राजा का यह कर्तव्य होता था कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट नहीं हो और यदि किसी राज्य की प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट होता था तो वह नागरिक अपने कष्ट निवारण के लिए राजा के पास पहुंच सकता था।**

आज संघ कामना कर रहा है कि पूरे विश्व में निवास कर रहे प्राणी शांति के साथ अपना जीवन यापन करें एवं विश्व में लड़ाई झगड़े का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। अत: हिंदू सनातन संस्कृति का पूरे विश्व में फैलाव, इस धरा पर निवास कर रहे समस्त प्राणियों के हित में है। इस संदर्भ में आज हिंदू सनातन संस्कृति को किसी भी प्रकार का प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि अब तो विकसित देशों द्वारा की जा रही रिसर्च में भी इस प्रकार के तथ्य उभर कर सामने आ रहे हैं कि भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है और यह हिंदू सनातन संस्कृति के अनुपालन से ही सम्भव हो सका है। अत: आज विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से हिंदू सनातन संस्कृति को पूरे विश्व में ही फैलाने की आवश्यकता है। परम पूज्य डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जी ने भी संघ की स्थापना के समय कहा था कि संघ कोई नया कार्य शुरू नहीं कर रहा है, बल्कि कई शताब्दियों से चले आ रहे काम को आगे बढ़ा रहा है। संघ का यह स्पष्ट मत है कि धर्म के अधिष्ठान पर आत्मविश्वास से परिपूर्ण संगठित सामूहिक जीवन के आधार पर ही हिंदू समाज अपने वैश्विक दायित्व का निर्वाह प्रभावी रूप से कर सकेगा। अत: हमारा कर्तव्य है कि सभी प्रकार के भेदों को नकारने वाला समरसता युक्त आचरण, पर्यावरण पूरक जीवनशैली पर आधारित मूल्याधिशिष्ट परिवार, स्व बोध से ओतप्रोत और नागरिक कर्तव्यों के लिए प्रतिबद्ध समाज का निर्माण करें एवं इसके आधार पर समाज के सब प्रश्नों का समाधान, चुनौतियों का उत्तर देते हुए भौतिक समृद्धि एवं आध्यात्मिकता से परिपूर्ण समर्थ राष्ट्रजीवन खड़ा करें। संघ का यह भी स्पष्ट मत है कि हिंदुत्व की रक्षा और उसका सशक्तिकरण ही विश्व में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। 99 वर्षों की साधना के बाद संघ का प्रभाव देश में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, और राष्ट्र का कायाकल्प हो रहा है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी भावना और हिंदू संस्कृति को ऊर्जा के स्त्रोतों के रूप में पुनर्परिभाषित करने के प्रयास तेज हो चुके हैं।

उक्त संदर्भ में संघ द्वारा नवम्बर 2025 से जनवरी 2026 के दौरान किन्हीं तीन सप्ताह तक बड़े पैमाने पर घर घर सम्पर्क अभियान की योजना बनाई गई है, इसका विषय हर गांव, हर बस्ती, हर घर होगा। साथ ही, संघ द्वारा समस्त मंडलों और बस्तियों में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों में बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक नागरिक के जीवन में एकता और सद्भाव, राष्ट्र के विकास में सभी का योगदान और पंच परिवर्तन में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी, का संदेश दिया जाएगा। प्रत्येक खंड एवं नगर स्तर पर सामाजिक सद्भाव बैठकें भी आयोजित की जाएंगी, इन बैठकों में एक साथ मिलकर रहने पर बल दिया जाएगा। इन बैठकों का उद्देश्य सांस्कृतिक आधार और हिंदू चरित्र को खोए बिना आधुनिक जीवन जीने का संदेश देना होगा। प्रयागराज में हाल ही में सम्पन्न महाकुम्भ में समस्त क्षेत्रों में लोग एक साथ आए थे, किसी को भी किसी नागरिक की जाति, मत, पंथ, आदि की जानकारी नहीं थी। विभिन्न नगरों के संभ्रांत नागरिकों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने की योजना बनाई जा रही है। इसी प्रकार, युवाओं के लिए भी राष्ट्र निर्माण, सेवा गतिविधियां एवं पंच परिवर्तन पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना विभिन्न प्रांतों द्वारा तैयार की जा रही है।

आज भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरह अन्य धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों को भी आगे आकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने में अपना योगदान देने की आवश्यकता है।

**- प्रहलाद सबनानी**

## हिंदी भाषा व साहित्य को विशेष प्राथमिकता मिले

देश, प्रदेश के कुछ विद्यालयों, महाविद्यालयों में ऐसा कुछ संभवतः लापरवाही, भूल से, अल्पज्ञानवश या कभी-कभी जानबूझ कर किया जाता रहता है कि समय सारिणी में हिंदी भाषा और साहित्य के विषय को बहुत पीछे के समय में रखा जाता है। कई बार तो इतना ही बाद का समय (कभी-कभी तो लगभग सबसे अंतिम पीरियड) रखा रहता है कि तब तक स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी चार-पांच घंटों के शिक्षण व अध्ययन के पश्चात बहुत थक कर, ऊबते हुए, ऊर्जाविहीन होकर ही हिंदी भाषा व साहित्य की कक्षा में आते हैं।

ऐसी परिस्थितियों में हिंदी को न्यूनतम महत्व ही मिल पाता है। भारत सरकार व सभी राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हिंदी भाषा व साहित्य का महत्व, गौरव व सम्मान हमेशा बना रहे।

**-मुमुक्षु के. ठाकुर, चंबा**

## राशिफल

**चैत्र शुक्ल पक्ष त्रयोदशी** | **(विक्रम संवत् 2082)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
समय में थोड़ा सा सुधार हुआ है। सूर्य का लग्न में आ जाना आपकी राशि में आ जाना, ये बहुत अच्छा हो गया है आपके लिए।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
सरकारी तंत्र से कोई भी पंगा मत लीजिएगा। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान की स्थिति भी मध्यम है।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
सरकारी तंत्र का बहुत लाभ रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा सा मध्यम रहेगा और भावुकता में आकर कोई निर्णय मत लीजिएगा।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान का साथ है। व्यापार बहुत अच्छा है। बस कलह खासकर घरेलू कलह से बचिएगा।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टू, टे)**
पराक्रम रंग लाएगा। स्वास्थ्य में सुधार हो चुका है। हालांकि अभी अष्टम भाव में ग्रहों का जमावड़ा लगा हुआ है।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
धनार्जन करेंगे। अपनों में वृद्धि होगी। कुटुंबों की संख्या बढ़ेगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। थोड़ा सा सुधार हर चीज में दिख रहा है। स्वास्थ्य, प्रेम, संतान, व्यापार ठीक-ठाक दिख रहा है।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
मन व्याकुल रहेगा। तनावग्रस्त रहेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा ठीक-ठाक कहा जाएगा। प्रेम, संतान की स्थिति भी ठीक है।

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)**
यात्रा का योग बनेगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। नए स्तोत्र से भी पैसे आएंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक-ठाक। प्रेम, संतान की स्थिति भी ठीक है।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम है।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बचकर पार करें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान भी मध्यम है।

## सूरजपुर बाराही मेला का चौथा दिन

# सुरेश गोला एंड पार्टी और स्थानीय कलाकारों ने लूटी वाहवाही

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** सूरजपुर बाराही मेला के चौथे दिन सांस्कृतिक मंच पर लोक कलाकारों, नन्हे-मुन्ने बच्चों और सूरजपुर की उभरती प्रतिभाओं ने शानदार प्रस्तुतियाँ दीं, जिनसे दर्शक देर रात तक मंत्रमुग्ध रहे। मेले का यह दिन विशेष रूप से रागनियों और नृत्य की रंगीन प्रस्तुतियों से सज गया।

मेले के इस अवसर पर मुख्य अतिथि पवन नागर (अध्यक्ष, सेक्टर गामा-2 आरडब्ल्यूए, ग्रेटर नोएडा) और विशिष्ट अतिथि फिरेराम प्रधान, नरेंद्र नागर, राजवीर डेढ़ा और राहुल नरोली का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

स्थानीय कलाकारों शिवम पंडित, प्रलय दत्त, पलक सिंह राजपूत और यानवी भाटी ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां बांधते हुए दर्शकों को अपनी कला से मंत्रमुग्ध कर दिया।

यू केन डांस अकैडमी के बाल कलाकारों, आरुष, इशु और आदित्य क्षत्री ने अपनी रंगारंग प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया।

सुरेश गोला एंड पार्टी की रचनात्मक रागनियाँ कर्ण और कुंती संवाद, तू मौज लूटता हांडे आदि ने खूब तालियाँ बटोरीं। इसके अलावा संध्या चौधरी, दिनेशा गुड़गांव, बॉबी बघेल और नानक चंद की प्रस्तुतियाँ भी दर्शकों के दिलों में बसी रहीं। भावना भाटी (गाजियाबाद) ने अपनी नृत्य प्रस्तुति से मंच पर उत्सव का रंग जमा दिया।

शिव मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारियों ने सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर धर्मपाल प्रधान, ओमवीर बैसला, लक्ष्मण सिंघल, मूलचंद शर्मा, सुनील शर्मा, राजपाल भडाना, सुभाष शर्मा, गौरव नागर और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

मूलचंद शर्मा, मीडिया प्रभारी ने जानकारी दी कि 15 अप्रैल 2025 को रात्रि कालीन कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रसिद्ध रागिनी कलाकार रविंद्र खालोर, सुनील चौहान, लोकेंद्र चौधरी, अमित चौधरी, योगेश सूर्यवंशी, नीतू भाटी और प्रीति कश्यप अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके अतिरिक्त, एन.एस. पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे और राजबाला सपेरा और पार्टी की लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

# डॉ. अंबेडकर का योगदान हमेशा याद रहेगा

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के कैम्प कार्यालय, चपरगढ़ में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने केक काटकर और बाबा साहब को पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभी ने उनका माल्यार्पण भी किया और उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम के दौरान राकेश टिकैत, चौधरी गौरव बलियान टिकैत और अन्य भाकियू नेताओं ने बाबा साहब के विचारों और संघर्ष को श्रद्धांजलि अर्पित की। राकेश टिकैत ने कहा, समाज द्वारा जो सम्मान हमें मिला है, उसके लिए हम सभी हृदय से आभारी हैं। बाबा साहब का योगदान हमेशा हमारे साथ रहेगा और उनके मार्गदर्शन में हम आगे बढ़ेंगे।

## कविता

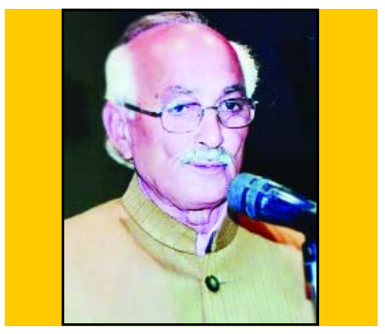

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

मां गंगा से किसी ने प्रार्थना किया
हे मां इतने तथाकथित श्रद्धालु नेता
जिनके पाप का कोई अंत नहीं है
प्रयागराज आकर आपके जल में स्नान कर रहे हैं
आप उनका पाप धो रही हैं
उनके इस अपार पाप की गठरी को
आप कहां ले जाएंगी मां गंगा ने कहा
मैं इसे बहाकर ले जाकर सागर में उड़ेल दूंगी ।
फिर उसने सागर से पूछा
हे महासागर!! इन अनाचारियों
के पाप को आप कैसे पचाएंगे,
कहां ले जाएंगे। सागर ने कहा -
तुम चिंता मत करो हम इसे स्वयं नहीं पचाते
इतना पाप पचा पाना मेरे बस की बात नहीं है
इसे वर्षा के रूप में उन्हीं के ऊपर पुन: बरसा देता हूं।
हां बरसात के बाद में इन नेताओं का पाप
आप लोगों पर भी बरस कर
थोड़ा थोड़ा बंट जाता है
और आपको भी अपनी करनी
का फल भोगना पड़ता है। जय हो मां गंगे।

# भाजपा ने मनाई डा. अम्बेडकर की जयंती

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** भारतीय जनता पार्टी ने दादरी विधानसभा और ज़ेवर विधानसभा के 1116 बूथों पर भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर जी की जयंती मनाई। भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने दादरी के बूथ नंबर 352, पिंक सिटी, दादरी में भारत रत्न, संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि आज सभी बूथों पर भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी, सम्मानित साथियों के साथ बाबा साहब के विचारों, उनके संघर्ष और सामाजिक समरसता के लिए किए गए योगदान को स्मरण कर रहे हैं।

बाबा साहब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही हम एक समरस, सशक्त और विकसित समाज का निर्माण कर सकते हैं। आज की सरकार उन्हीं के कार्यों को पूरा करने में लगी हुई है। गरीब, वंचित, शोषित वर्ग को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के नेतृत्व में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देकर उनके कार्यों को पूरा किया जा रहा है।

अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर मुख्य रूप से शुभाश भाटी, विजय गौतम (जिला महामंत्री), दीपक भारद्वाज, मनोज गर्ग, धर्मेंद्र कोरी (जिला उपाध्यक्ष), सेवानंद शर्मा, सतेन्द्र नागर, पवन रावल, देवा भाटी, पवन नागर, वीरेंद्र भाटी, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, पंकज रावल (जिला मंत्री), गुरुदेव भाटी, सत्यपाल शर्मा, अरुण शर्मा, अमन कोशिक, रवि जिंदल, अमित पंडित, इंदर नागर, राज नागर, रजनी तोमर, बलराज भाटी, जितेंद्र भाटी, मनोज भाटी, अर्पित तिवारी, संजय भाटी, मनोज प्रधान, राजीव सिंघल, राहुल पंडित, डॉक्टर संगीता रावल सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं मौजूद रहे।

# निमंत्रण की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए भागवत कथा में आने के लिए

**नोएडा (चेतना मंच)।** वैशाखी के पावन अवसर पर श्री भागवत कथा के शुभारंभ से पूर्व सेक्टर 26 में राजकुसुम गोयल एवं अन्य भक्तों द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसका सेक्टर 26 के निवासियों ने अत्यंत प्रेमपूर्वक भव्य स्वागत किया और महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रीमद्भागवत महापुराण, परम पूजनीय श्री वेदव्यास द्वारा जनकल्याण के हित हेतु रचित ब्रह्मवाणी है। कथा व्यास परम पूज्य ब्रह्मानंद सरस्वती जी महाराज, श्री स्वामी करपात्री धाम, परिक्रमा मार्ग, वृंदावन एवं परम पूज्य डॉ. गुणप्रकाश चैतन्य महाराज तथा वृंदावन से पधारे अन्य संतों द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का भावपूर्ण गुणगान किया गया।

हमें कथा में सम्मिलित होने के लिए किसी निमंत्रण की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए। जिस व्यक्ति का तन सुंदर है, परंतु मन सुंदर नहीं है, वह केवल क्षणिक स्मरण में रहता है। मन को सुंदर बनाने के लिए इस युग में भागवत कथा का श्रवण और

मनन ही एकमात्र सरल उपाय है।

महाराज ने असुर प्रवृत्तियों के दुष्प्रभावों की व्याख्या हेतु श्री आत्मदेव, धुंधली और धुंधकारी की प्राचीन कथा का भी वर्णन किया। सुंदर मन से अभिप्राय है—मनुष्य को काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह, वासना, द्वेष आदि का त्याग कर समाज की उन्नति हेतु सोचना और कार्य करना चाहिए। तामसिक व भोग-विलासयुक्त असुर प्रवृत्तियाँ मनुष्य के पतन का कारण बनती हैं, जिसे हम भागवत के मार्ग पर चलकर सुंदर मन में परिवर्तित कर सकते हैं, जिससे यह मानव जीवन जनकल्याण में समर्पित हो सके।

भागवत कथा के श्रवण एवं मनन से जो पुण्य प्राप्त होता है, वह अन्य पुण्य कर्मों की अपेक्षा सर्वोत्तम होता है। भागवत की शरण में जाने से घोर पापी का भी अंतःकरण शुद्ध व निर्मल हो जाता है और वह राग-द्वेष से मुक्त हो जाता है। श्री राधा जी का भक्तों और महाराज श्री के साथ मिलकर स्मरण करते हुए ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो हम स्वयं वृंदावन धाम पहुँच गए हों।

भागवत की शरण ही मनुष्य जीवन को सरल, शुद्ध व परोपकारी कार्यों के लिए प्रेरित करने वाला एकमात्र सहज मार्ग है। भव्य आरती में सम्मिलित होकर ऐसा अनुभव हुआ जैसे स्वयं मां गंगा आरती में सम्मिलित हुई हों। भागवत कथा की आरती के पश्चात सभी श्रोताओं के चेहरों पर सकारात्मक ऊर्जा की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

ऐसी भागवत कथा के श्रवण का अवसर हमें बार-बार प्राप्त हो, यही प्रभु श्री राधा-कृष्ण से प्रार्थना है। हम सभी सेक्टरवासी राजकुसुम गोयल परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इतना भव्य आयोजन किया, एवं वृंदावन धाम से पधारे समस्त संत मंडली के प्रति भी हार्दिक आभार प्रकट करते हैं।

# जयंती पर सपाइयों ने याद किये डॉ.अम्बेडकर

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।**

सोमवार को सूरजपुर स्थित समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर भारतीय संविधान के शिल्पकार, विधिवेत्ता, समाज सुधारक, भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती धूम-धाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात उनके संघर्षशील जीवन पर विचार संगोष्ठी का आयोजन कर उन्हें याद किया गया। इस मौके पर उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर आधुनिक भारत के निर्माता थे। वह गरीब, पिछड़े, दलितों के सच्चे मसीहा थे। उन्होंने सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध लंबी लड़ाई लड़ी। उन्होंने हमेशा समानता और समता के लिए कार्य किया और दबे कुचले लोगों को उनका हक दिलाने के लिए संघर्ष किया और कहा कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने हमेशा शिक्षा पर जोर दिया, उनका कहना था किसी भी समाज देश का विकास शिक्षा से ही संभव है। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि भारत में विश्व की सबसे मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू करने का श्रेय बाबा साहब को ही जाता है। आज देश के मौजूदा हालात में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की विचारों की आवश्यकता है। सभी साथी उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलते हुए राष्ट्र को मजबूत करने का काम करना चाहिये।

इस मौके पर मुख्य रुप से बीर सिंह यादव, फकीर चंद नागर, महेन्द्र नागर, इंद्र प्रधान, गजराज नागर, नरेंद्र नागर, सुनील देवटा, मेहंदी हसन, हुकुम सिंह भारती, जिला महासचिव सुधीर तोमर, कृशान्त भाटी, शशि यादव, यूनुस प्रधान, कपिल ननका, मिंटी खारी, रामशरण नागर एडवोकेट, मनोज भाटी एडवोकेट, सुरेन्द्र नागर, दीपक नागर, औरंगजेब अली, अनिल पाल, विकास जतन, महेश भाटी, रविंद्र यादव, सुनील बदौली, अवनीश भाटी, गौरा जाटव, देवेंद्र टाईगर, विनोद लोहिया, विकास भनौता, दीपक देवटा, प्रवीण भाटी, अमित रौनी, नवीन भाटी, दीपक शर्मा, अजय चौधरी, हरवीर प्रधान, सुदेश भाटी, कुलदीप भाटी, राहुल आर्यन, मुरारीलाल गौतम, अनिल प्रजापति, वीरपाल नागर, सीपी सोलंकी, हैप्पी पंडित, मोहित नागर, सुभाष भाटी, विक्रम टाईगर, हरपाल सिंह, देवेन्द्र भाटी, अनिल नागर, महेश जाटव, समय भाटी, विक्रम टाईगर, अंजलि श्रीवास्तव, विष्णु सिंह, समीर भाटी, सत्यप्रकाश नागर, प्रशांत भाटी, रिजवान हैदर, दिगंबर गौतम, गौरव भाटी, मीना कुमारी, सतीश गौतम, खुशी यादव, असगर सैफी, आसिफ अल्वी, लखन जाटव, तरुण गौतम, राहुल नागर, पवन भाटी, जावेद अंसारी, जितेंद्र प्रजापति, गजब सिंह भाटी, जयवीर लोहिया, इंशाद ननका आदि मौजूद रहे।

# सेक्टर- 8 धूमधाम से मनाई अंबेडकर जयंती

**नोएडा (चेतना मंच)।** महान समाज सुधारक एवं संविधान निर्माता डॉक्टर साहब अंबेडकर की 134 वीं जयंती सीटू, दलित शोषण मुक्ति मंच, सीपीआई(एम), जनवादी महिला समिति के कार्यकर्ताओं ने सेक्टर- 8, नोएडा कार्यालय पर बाबा साहब की तस्वीर पर माला व पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए सरकार की गलत नीतियों/निर्णयों से बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, निजीकरण, आर्थिक विषमता, धर्म की आड़ में बढ़ाई जा रही नफरत, जातिगत भेदभाव, महिला व दलितों के खिलाफ बढ़ते उत्पीड़न/अपराध, शिक्षा और धर्म के जरिए फैलाई जा रही विवेकहीनता, संविधान में मिले गरिमा में जीवन जीने के नागरिक अधिकारों के हनन से अंबेडकर की वैचारिक विरासत को बचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माकपा जिला प्रभारी व सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की विरासत और भारत के संविधान को बचाने की आज सबसे बड़ी जरूरत है हमें बाबा साहब के सपनों का भारत जिसमें समता हो, समानता हो, सबका विकास हो, आपसी भाईचारा हो, सामाजिक न्याय हो, सबका विकास हो, सबको आगे बढ़ाने की आजादी हो आदि के लिए संगठित होकर लड़ने का संकल्प लेना चाहिए यही बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

साथ ही उन्होंने बाबा साहब की जयंती की सभी देश-प्रदेश व शहर वासियों को शुभकामनाएं दी। जनवादी महिला समिति की जिला प्रभारी आशा यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सभी मोर्चों पर विफल है, और अपनी असफलताओं को छुपाने के लिए नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों को तानाशाही तरीके से कुचल रही है। दलित शोषण मुक्ति मंच के नेता रमाकांत सिंह ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के शासन में दलितों की स्थिति दयनीय हो गई है।

कार्यक्रम में रामस्वारथ, धर्मेंद्र गौतम, रेखा चौहान, गुड़िया देवी, भरत डेंजर, अमित, धर्मेंद्र, रामदीन, शंभू पेंटर, गंगेश्वर दत्त शर्मा, आशा यादव आदि नेताओं ने बाबा साहब को पुष्प अर्पित करते हुए बाबा साहब की विरासत को रेखांकित किया।

# किसान यूनियन ने मनाई डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** दादरी तहसील के रेलवे रोड स्थित किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के कार्यालय पर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर दादरी तहसील अध्यक्ष एवं वरिष्ठ किसान नेता राजकुमार रूपवास की अगुवाई में उपस्थित किसानों ने बाबा साहेब की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को याद किया। किसान नेता राजकुमार रूपवास ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। उन्होंने संविधान निर्माण के माध्यम से भारत को एक न्यायसंगत और समानता पर आधारित समाज देने का कार्य किया। आज हमें उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज में समरसता और समान अधिकारों की भावना को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा बाबासाहेब के सिद्धांतों पर चलते हुए शोषित, वंचित और मेहनतकश वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ता रहेगा।

कार्यक्रम में अनेक किसानों ने अपने विचार व्यक्त किए और बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर जगेश परमार योगेश कुमार निशा तोमर, अनिल कुमार कमलेश छोटू राजकुमार नेताजी आदि मौजूद थे

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी ने
M/s Sai Printing Press, डी-85
सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर
(यू पी.) से छपवाकर,
ए-131 सेक्टर-83,
नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

# जिला कांग्रेस कमेटी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** जिला कांग्रेस कमेटी कैंप कार्यालय, बिसरख पर संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्प सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने बाबा साहब के योगदान को याद किया और उनकी प्रेरणादायक सोच को सलाम किया।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा- बाबा साहब अंबेडकर का योगदान भारतीय समाज और राष्ट्र के लिए अतुलनीय है। उन्होंने आजादी से पहले ही भारतीय समाज में समानता और सामाजिक न्याय की नींव रखी। जब संविधान सभा ने संविधान बनाने का कार्य उन्हें सौंपा, तो उन्होंने एक ऐसे ग्रंथ और व्यवस्था की स्थापना की, जिसने भारतीय समाज को सामाजिक, राजनीतिक, और आर्थिक न्याय की दिशा दिखाई। बाबा साहब के द्वारा स्थापित यह व्यवस्था आज भी हमारे समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

संगठन प्रभारी महासचिव मुकेश शर्मा ने कहा- बाबा साहब एक प्रेरणा स्रोत हैं, जिनकी रोशनी में हम सभी के लिए कुछ न कुछ सीख है। उनका जीवन हम सभी को समानता, स्वतंत्रता, और भाईचारे के महत्व को समझाता है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता दुष्यंत नगर ने कहा- हजारों वर्षों में ऐसी महान आत्माएं जन्म लेती हैं, जो दलित, शोषित, और वंचितों के हक के लिए अपना जीवन समर्पित कर देती हैं। बाबा साहब उन्हीं महान आत्माओं में से एक थे।

महिला कांग्रेस महासचिव उर्मिला चौधरी ने कहा- अगर बाबा साहब नहीं होते, तो देश आजादी के बाद भी अपने अधिकारों को प्राप्त नहीं कर पाता। उनके योगदान के बिना आज भारत की स्थिति कुछ और होती। जिला कांग्रेस महासचिव कल्पना चौधरी ने कहा- बाबा साहब अंबेडकर उन महान संतों में से हैं, जिन्होंने आगे के हजारों वर्षों तक देश और समाज को कैसे प्रगति की ओर ले जाना है, यह सोच रखा था।

इस जयंती कार्यक्रम में दुष्यंत नागर, संगठन प्रभारी मुकेश शर्मा, उपाध्यक्ष निशा शर्मा, जिला महासचिव कल्पना सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष धर्म सिंह, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महाराज सिंह नागर, उर्मिला चौधरी, जिला सचिव गौतम सिंह, कपिल भाटी, जिला सचिव सुबोध भट्ट, विजयपाल नागर, नीरज शर्मा, पुनीत मावी, रमेश वाल्मीकि, सचिन जीनवाल, बिन्नू भाटी, तनवीर अहमद, ओंकार सिंह राणा, धीरज सिंह, रमेश चंद, गौरव वशिष्ठ, गणेश प्रजापति और अन्य कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# भाजपाईयों ने किया डॉ अंबेडकर को याद

**भदोही।** भाजपा कार्यालय स्थित जोरई में जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने बाबा साहेब भारत रत्न भीमराव डॉक्टर अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कार्यालय परिषर व कार्यालय परिषर के सामने आपके चित्र पर माल्यार्पण पुष्प गुच्छ अर्पित कर जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 1891 में जन्म लिया और 1956 में मृत्यु के पश्चात आज भी देश आपको हृदय से दिल से आपका आभार व्यक्त करता है संविधान के निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जीवन पर्यन्त समाज के लिए जीने का काम किया एक गरीब परिवार से जुड़ने के बाद पढ़ाई लिखाई शिक्षा दीक्षा संघर्षों में व्यतीत किया छात्र जीवन में आप बहुत ही प्रतिभाशाली व्यक्ति रहे जिसका लोहा आज पूरा देश ही नहीं विश्व भी मानता है आपकी लिखे गए संविधान जिसके आप निर्माता है आज पूरा देश उसे अच्छर्सह उस नियम का पालन करता है उपस्थित अभयराज सिंह लालमणि मिश्रा वीरू शुक्ला गोवर्धन राय राजेंद्र पाल रमेश सोनकर मनीष पांडेय योगेश राय मोनू शर्मा वेद मौर्य संतोष सिंह आशुतोष पांडे राजेश सिंह सिल्वन्ता मौर्या तथा उपस्थित सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# रालोद नेताओं ने डॉ. अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** राष्ट्रीय लोक दल जिला कार्यालय गौतमबुद्धनगर पर भारतीय संविधान के शिल्पकार, महान समाज सुधारक, महामानव, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर पुष्प चढ़कर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर स्वतंत्र भारत के निर्माता थे। उन्होंने पूरे जीवन लोगों को बताया कि अगर देश की उन्नति चाहते हो शिक्षित बनो तभी हम देश को मजबूत और खुशहाल बना सकते हैं। अपने पूरे जीवन में उन्होंने गरीब कमजोर अल्पसंख्यक दलितों समाज को बढ़ाने के लिए सदैव संघर्ष करते रहे और उनके अधिकार दिलाने के लिए मजबूत आवाज बुलंद करते रहे।

इस मौके पर महेश आर्य राष्ट्रीय सचिव अजीत सिंह दौला प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती हेमा पाठक प्रदेश महासचिव मनवीर भाटी हरबीर तालान जसवीर भाटी जोगिंदर सिंह तालान राजेंद्र भाटी आजाद मलिक हाजी मोहम्मद अली निशांत भाटी फखरुद्दीन कोटिया महेश बरेला मनोज चौधरी पंडित पुष्पेंद्र शर्मा अमित गुर्जर सुधीर प्रधान राशिद अब्बासी शाहरुख बालकिशन जाटव नीरज शर्मा मोहन वीर जाटव जमील अहमद विनीत भाटी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# संविधान के रचयिता डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनी

**भदोही।** भारत रत्न बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जयंती के शुभ अवसर पर जनपद में भारतीय जनता पार्टी और बाबा साहब के सहयोगियों के द्वारा यह कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस क्रम में विधानसभा भदोही अंतर्गत मंडल चौरी में मंडल अध्यक्ष संजय सरोज की अध्यक्षता में, जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में शक्ति केंद्र बेदमनपुर ग्राम सभा माधोरामपुर बूथ संख्या 402 पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का दिव्य और भव्य रूप से जन्मोत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष और एमएलसी विजय बहादुर पाठक उपस्थित रहे। विजय बहादुर पाठक ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर पुष्प गुच्छ माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया और कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने बाबा साहब को शत-शत नमन किया और कहा कि उनके जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सभी लोगों ने उन्हें याद किया और उनके बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

बाबा साहब का जन्म 1891 में मध्य प्रदेश में हुआ था। तमाम संकटों से गुजरने के बाद उन्होंने शिक्षा दीक्षा प्राप्त की और लंबी लड़ाई लड़ने के साथ-साथ अपने अनुभवों को सही दिशा में इस्तेमाल किया। बाबा साहब ने भारतीय संविधान की रचना की, और उन्होंने अपने जीवन को संघर्ष से जोड़ा। उनकी इस संघर्ष यात्रा ने उन्हें न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में एक प्रकाशस्तंभ के रूप में प्रस्तुत किया। बाबा साहब ने 1956 में अंतिम सांस ली, लेकिन उनकी शिक्षाएं और संघर्ष आज भी लोगों के दिलों में जीवित हैं।

विजय बहादुर पाठक ने कहा कि आज हमारे भारतीय जनता पार्टी के मनीषी जैसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉक्टर श्याम प्रसाद मुखर्जी, परम श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उसी रास्ते पर चल रहे हैं, जो बाबा साहब ने दिखाया था। वे पार्टी को नई दिशा और दशा देने में सफल हो रहे हैं।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और उनका अंगवस्त्र और मालाशर्पण कर स्वागत किया। दीपक मिश्रा ने अपने शब्दों में कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर हम सभी के आदर्श हैं और उनके बताए रास्ते पर हम सभी कार्यकर्ता चलने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सब अपने आप को सौभाग्यशाली महसूस करते हैं कि बाबा साहब ने जो संविधान लिखा, उसकी नकल आज विदेश के लोग भी करते हैं। बाबा साहब अमर रहें के नारे के साथ दीपक मिश्रा ने अपनी वाणी को विराम दिया।

इस अवसर पर लालता प्रसाद सोनकर, संयोजक निहाल सरोज, संतोष तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, टेन गुरु गोवर्धन राय, मनीष पांडेय, रवीश पांडेय, अजय प्रजापति, बूथ अध्यक्ष अखिलेश सिंह, पंडित सिंह, पवन दुबे, संतोष सिंह, डंपू अवधेश मिश्रा, जितेंद्र सरोज, कमल सरोज, अभिषेक सरोज, श्वेता सरोज, सूरज सरोज, राकेश सरोज, अनुभव सरोज, संजय मिश्रा, दिलीप गुप्ता, अखंड प्रताप सिंह, अशोक जायसवाल तथा अन्य सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# अग्रोह्य धाम जाकर 5 मई को अग्रसेन भवन के उद्घाटन का निमंत्रण दिया

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** नवनिर्मित महाराजा अग्रसेन भवन के 5 मई को होने वाले उद्घाटन समारोह का प्रथम निमंत्रण कार्ड अग्रोह्य धाम पहुँचकर समर्पित किया गया।

समिति के अध्यक्ष सौरभ बंसल ने बताया कि वैश्य समाज के सभी लोग अपनी जड़ें अग्रोह्य धाम से जुड़ी हुई पाते हैं। महाराजा अग्रसेन जी ने अपने शासन काल में वर्तमान में हरियाणा के हिसार जिले के अग्रोह्य को अपनी राजधानी बनाया था। उन्हीं के नाम पर देश के विभिन्न शहरों में धर्मशालाएँ और भवन बने हुए हैं। उसी तर्ज़ पर ग्रेटर नोएडा में बने महाराजा अग्रसेन भवन के उद्घाटन समारोह का प्रथम निमंत्रण धाम पर भेंट किया गया।

निमंत्रण देने के लिए श्री महाराजा अग्रसेन वैश्य सेवा समिति, ग्रेटर नोएडा परिवार के 48 सदस्यों ने धाम पहुँचकर विधिपूर्वक निमंत्रण दिया, जिसमें ओमप्रकाश अग्रवाल, सर्वेश अग्रवाल, नवीन जिंदल, अरुण गुप्ता, राजेश गुप्ता, बृजमोहन गोयल, ऋषि गोयल, गोपाल अग्रवाल, पीयूष गोयल, अमित गोयल, गिरीश जिंदल, आलोक गोयल और अन्य सदस्य परिवार सहित शामिल हुए।

# डॉ. अंबेडकर की जयंती दलित प्रेरणास्थल पर मनाई

**नोएडा ( चेतना मंच )।** दलित उत्थान महासभा के तत्वाधान में भारतीय संविधान के निर्माता एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती दलित प्रेरणा स्थल पर बड़े ही धूमधाम से मनाई गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सौदान सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब ने सन 1954 में कहा था कि जिस समाज में 10 बैरिस्टर 20 डॉक्टर 30 इंजीनियर होंगे उस समाज पर कोई उंगली नहीं उठा सकता परंतु आज इस समाज के अंदर हजारों-हजार आई.ए.एस., आई.पी.एस., आई.एफ.एस.,पी.सी.एस., इंजीनियरों, डॉक्टरों और मंत्रियों, संसद सदस्यों, विधायकों आदि की लाइन लगी हुई है लेकिन यह सब मिलकर भी समाज का किसी भी प्रकार से भला नहीं कर पा रहे हैं। इसी तरह से आगरा की एक सभा में बाबा साहब ने कहा था कि मैंनें तुम्हारे लिए जो कुछ भी किया है वह बेहद मुसीबतों, अत्यंत दुखों बेशुमार विरोधियों का सामना करते हुए जो किया है यह कारवां अगर आप आगे ना बढ़ा सके तो किसी भी कीमत पर मेरे अनुयाई इस कारवां को पीछे न जाने दे।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कप्तान पुत्तन सिंह ने कहा कि बाबा साहब ने बड़ी मुसीबतें उठाकर अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय देते हुए अंग्रेजों की सहायता से हमारे संपूर्ण शुद्र समाज के लिए कमीनुल अवार्ड हासिल किया था।

## पृष्ठ एक के शेष....

**पांच बच्चों की ...**

अभी तक किसी पक्ष ने तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल में स्थित मोर्चरी में भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार जांच में पता चला है कि सपना की 14 वर्ष की उम्र में बच्चू से शादी हो गई थी। सपना के पांच बच्चे हैं। इसमें चार बेटी व एक बेटा है। बड़ी बेटी की उम्र दस वर्ष है। मां के आत्महत्या करने से बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रेम के चक्कर में सपना ने बच्चों को भुला दिया।

**'अस्पताल से नवजात...**

सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में सभी आरोपियों को निचली अदालत में सरेंडर करने को कहा। साथ ही सीजेएम वाराणसी और एसीजेएम वाराणसी को निर्देश दिया कि दो सप्ताह के भीतर सत्र न्यायालय में मामले दर्ज किया जाए और एक सप्ताह के भीतर चार्ज फ्रेम किया जाए।

**सीटों पर बात, सीएम...**

राज्य में एनडीए सरकार के 20 साल बाद भी बिहार सबसे गरीब राज्य है। हम चर्चा करेंगे और सर्वसम्मति से सीएम का चेहरा तय करेंगे। 'नीतीश जी तो हाईजैक हो चुके हैं'। तेजस्वी ने कहा कि एनडीए इस बार बिहार में सरकार नहीं बना रहा है।

**नोएडा का अट्टा ....**

तथा अट्टा मार्किट में बने अन्य शौचालय भी बदहाल हैं। पूर्व निर्धारित पार्किंग स्थल को सुविधा शुल्क निर्धारित करके व्यक्ति विशेष को दे दिया गया है। जिसके चलते व्यापारियों के सामने पार्किंग की समस्या आती है।

उन्होंने बताया कि मार्किट के सामने डीपीएस रोड और दादरी रोड पर रेहड़ी-पटरी वालों ने कब्जा कर लिया है। इस संबंध में कई बार प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी व पुलिस आयुक्त को अवगत कराया गया है, लेकिन कोई भी समाधान नहीं हुआ है।

## खास खबर

### न्यूयॉर्क में भी मना भीमराव आंबेडकर दिवस

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका की न्यूयॉर्क सिटी में पहली बार डॉ भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती आंबेडकर दिवस के रूप में मनाई गई। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर इसे आधिकारिक रूप दे दिया था। इससे आजाद समाज पार्टी के प्रमुख और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद खुश हैं। उन्होंने इसे अत्यंत गर्व का क्षण बताया है। बता दें, मेयर एडम्स ने बाबा साहेब की जीवन यात्रा के बारे में बताया है। उन्होंने बाबा साहेब को भारतीय अर्थशास्त्री, राजनीतिक नेता और समाज सुधारक के तौर पर याद किया है। एडम्स ने इस घोषणा पत्र में बाबा साहेब के संदेश शिक्षित बनो, आंदोलन करो, संगठित हो जाओ! का भी जिक्र है। इसके साथ ही उन्होंने 14 अप्रैल 2025 को डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया। डॉ आंबेडकर ने न्यूयॉर्क के कोलंबिया विश्वविद्यालय से ही उच्च शिक्षा प्राप्त की थी।

### दुबई से वापस लौटने समय युवक की मौत

**सीकर ।** सीकर जिले में एक दुखद हादसे की खबर सामने आई है। दुबई से कमाई करके अपने घर लौट रहे एक युवक के लिए बीच रास्ते में ही मौत हो गई। अनिल महला नाम का युवक जो दुबई में नौकरी कर रहे थे, पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार अपने घर को पहुंचने के लिए रविवार को एयरपोर्ट से निकले थे। उन्हें उनके मामा के बेटा और उनका दोस्त जयपुर तक लेने आए थे, लेकिन रास्ते में एक दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर से होने वाली टक्कर ने उनकी मौत का कारण बन दिया। उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता दी गई है। कृष्णा के दोस्त श्रवण को भी गंभीर चोटें पहुंची हैं और उन्हें सीकर के अस्पताल में भर्ती करना पड़ा है। अनिल झुंझुनूं जिले के जुहारपुरा गांव का रहने वाला था। रविवार को अनिल दुबई से वापस लौटा था। उसे लेने के लिए उसके मामा का बेटा बालरासर निवासी कृष्णा जाखड़ और उसका दोस्त श्रवण कार लेकर जयपुर पहुंचे थे।

### ब्लैकमेल करने वाले शातिर युवक- युवती गिरफ्तार

**पौड़ी गढ़वाल।** कोटद्वार पुलिस ने दोस्ती कर प्रेम जाल में फंसाकर चालकों को ब्लैकमेल करने वाले युवती व युवक को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी यूपी के बिजनौर जिले के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक बीते रोज कोटद्वार निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी। जिसमें उसने बताया कि एक महिला व उसके पुरुष मित्र दुष्कर्म के आरोप में फंसाने की धमकी देकर अवैध रूप से वसूली की। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस की गठित टीम ने सीआईयू टीम के मदद से घटना को अंजाम देने वाले दोनों आरोपियों नवजोत सिंह निवासी ताहारपुर, थाना- नजीबाबाद, व निधि शर्मा निवासी ग्राम प्रेमपुरी, थाना- मंडावली, बिजनौर, यूपी को गिरफ्तार किया। एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि दोनों आरोपितों को कोर्ट में पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि निधि शर्मा वाहन चालकों से लिफ्ट मांगती है और उनसे दोस्ती कर उन्हें बहलाकर अपने प्रेम प्रसंग में फंसाती है जिसके बाद चालक के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए अपने प्लान के अनुसार उसे कमरे में ले जाती है।

# गुजरात में पकड़ी गई 300 किलो ड्रग्स

- समुद्र के रास्ते तमिलनाडु भेजने की थी तैयारी

एजेंसी

**पोरबंदर।** पोरबंदर के अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के समीप गुजरात एटीएस और भारतीय कोस्ट गार्ड (आईसीजी) की संयुक्त कार्रवाई में 1800 करोड़ रुपये की 300 किलो ड्रग्स बरामद की गई है। पाकिस्तान की फिशिंग बोट से गुजरात के समुद्र तट तक लाने के बाद ड्रग्स की यह खेप तमिलनाडु भेजने की तैयारी थी। बरामद ड्रग्स प्रतिबंधित सामग्री मेथमफेटामाइन बताई जा रही है। बरामद ड्रग को आगे की जांच के लिए आईसीजी के जहाज से पोरबंदर लाया गया है। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) के डीआईजी सुनील जोशी ने सोमवार को अहमदाबाद में बताया कि एटीएस को गोपनीय जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान का फीदा नामक ड्रग माफिया 400 किलो अवैध मादक पदार्थ पाकिस्तान की फिशिंग बोट में भरकर गुजरात भेजने वाला है। सूचना के मुताबिक यह फिशिंग बोट 12 अप्रैल की शाम 8 बजे से 13 अप्रैल की सुबह 4 बजे के बीच पोरबंदर से 190 किलोमीटर दूर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के समीप समुद्र के किनारे तक आनी थी। सूचना में यह भी बताया गया था कि इस खेप को यहां से तमिलनाडु भेजा जाना है। डीआईजी जोशी ने बताया कि इस जानकारी के बाद एटीएस ने कोस्ट गार्ड के अधिकारियों से संपर्क किया और समुद्र में ऑपरेशन चलाने के लिए मदद मांगी। कोस्ट गार्ड के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि गुजरात एटीएस से जानकारी मिलने के बाद ऑपरेशन की तैयारी की गई। इनपुट के आधार पर तटरक्षक क्षेत्र (पश्चिम) से एक आईसीजी जहाज को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) की ओर भेजा गया। यह जहाज उत्तर महाराष्ट्र-दक्षिण गुजरात क्षेत्र में बहु-मिशन तैनाती पर तैनात था। आईसीजी जहाज ने रात के अंधेरे के बावजूद एक संदिग्ध नाव की पहचान की। आईसीजी जहाज के निकट आने का एहसास होने पर संदिग्ध नाव ने आईएमबीएल की ओर भागने से पहले अपने मादक पदार्थों की खेप को समुद्र में फेंकना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि सतर्क आईसीजी जहाज ने संदिग्ध नाव का पीछा करते हुए फेंकी गई खेप को बरामद करने के लिए तुरंत अपनी समुद्री नाव तैनात की और आईएमबीएल पार करने से पहले उसे रोक लिया।

## अमेरिका में हुए विमान हादसे में पंजाब के सर्जन समेत 6 लोगों की मौत

एजेंसी

**चंडीगढ़ ।** अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में एक छोटा विमान हादसे का शिकार हुआ है। दुर्घटना में पंजाब मूल की सर्जन, उनके पति और दो बच्चों सहित 6 लोगों की दर्दनाक मौत हुई है। हादसा कोलंबिया काउंटी एयरपोर्ट पर लैंडिंग से ठीक पहले हुआ। सर्जन की पहचान डॉ. जॉय सैनी के रूप में हुई है, जो एक यूरोगाइनोकॉलेजिस्ट और महिला पेल्विक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जन थीं। उनके साथ पति माइकल ग्रॉफ, बेटी करेना ग्रॉफ, बेटे जैरेड ग्रॉफ और उनके-उनके साथी जेम्स सैंटोरो व अलेक्सिया कुइयुतास डुआर्ते भी विमान में सवार थे। विमान के पायलट सर्जन के पति थे। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के जांचकर्ता अल्बर्ट निक्सन ने बताया कि विमान मित्सुबिशी एमयू2बी ने न्यूयॉर्क शहर के उपनगर वेस्टचेस्टर एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी और कोलंबिया काउंटी एयरपोर्ट पर लैंड करने वाला था। उन्होंने कहा कि पायलट पहली लैंडिंग को मिस किया और दूसरी कोशिश के लिए अनुमति मांगी। लेकिन एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को असामान्य रूप से नीची उड़ान पर पाया और अलर्ट भेजने की कोशिश की, पर पायलट जवाब नहीं दे सका। विमान हवाई अड्डे से करीब 10 मील दूर, मैसाचुसेट्स राज्य की सीमा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पारिवारिक बयान के अनुसार, माइकल ग्रॉफ एक न्यूरोसर्जन और अनुभवी पायलट थे। उन्हें बचपन में 16 वर्ष की उम्र में अपने पिता से उड़ान भरना सीखने के बाद से उड़ान का शौक था। उनकी बेटी करेना ग्रॉफ मेडिकल छात्रा थीं और उनके साथी जेम्स सैंटोरो एक इंवेस्टमेंट बैंकर थे।

# रूस ने सूमी शहर पर दागी मिसाइल, 34 की मौत

- कई घायल, मरने वालों में बच्चे भी
- फ्रांस के राष्ट्रपति ने कहा यह हमला शांति प्रयासों को कमजोर करेगा

एजेंसी

**कीव।** यूक्रेन के सूमी शहर में रविवार को रूस के मिसाइल हमले में कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई और 117 घायल हो गए। यह हमला उस समय हुआ जब लोग पाम संडे मना रहे थे। मीडिया रिपोर्ट में यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि यह हमला सुबह करीब 10:15 बजे दो बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए किया गया। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं, जबकि घायलों में 15 बच्चे हैं। घटना के वीडियो फुटेज में शवों को कम्बलों में लपेटकर सड़क किनारे रखा गया और अग्निशमन दल क्षतिग्रस्त इमारतों से धधकती कारों की आग बुझाते नजर आया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह हमला आम नागरिकों को निशाना बनाकर किया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख ने आरोप लगाया कि रूस ने हमले में क्लस्टर बमों का इस्तेमाल किया, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। यह सूमी पर एक सप्ताह में दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले, 4 अप्रैल को क्रिवी रीह में मिसाइल हमले में 20 लोगों की मौत हो गई थी। जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल और ठोस प्रतिक्रिया की अपील करते हुए कहा कि बातचीत से मिसाइलें नहीं रुकतीं। अब समय है कि रूस को आतंकवादी राष्ट्र जैसा ही जवाब दिया जाए।

इस हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तीखी आलोचना हो रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह हमला शांति प्रयासों को कमजोर करता है और रूस की आक्रामक नीतियों को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि रूस ने ही इस युद्ध को जारी रखने का निर्णय लिया है, अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय जीवन की परवाह किए बिना। खार्किव में एक किंडरगार्टन पर हमले से इमारत क्षतिग्रस्त हुई, लेकिन वहां किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

### छह महिलाएं करेंगी अंतरिक्ष की सैर

**वॉशिंगटन।** महिलाओं के लिए एक खास अंतरिक्ष टूरिज्म मिशन चलाया गया है। इसके तहत जेफ बेजोस की मंगेतर लॉरेन सांचेज, नासा वैज्ञानिक अमान्डा न्गुयेन, एयरोस्पेस इंजीनियर ऐशा बोवे और फिल्म प्रोड्यूसर केरियान फ्लिन शामिल हैं। ये सभी महिलाएं 11 मिनट तक अंतरिक्ष में रहेंगी।यह मिशन सिर्फ 11 मिनट का होगा लेकिन इसके मायने बेहद गहरे हैं। न्यू शेपर्ड रॉकेट टेक्सास से उड़ान भरने के बाद 100 किलोमीटर ऊपर कार्मन लाइन को पार करेगा, जो अंतरिक्ष की सीमा मानी जाती है। कैप्सूल रॉकेट से अलग होकर अंतरिक्ष में कुछ देर के लिए जीरो ग्रेविटी का अनुभव कराएगा और फिर पैराशूट की मदद से धरती पर लौट आएगा।इस मिशन की एक नहीं कई खासियत हैं।

## मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने की शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने की अपील

एजेंसी

**कोलकाता।** ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने देशभर के मुसलमानों से लागू वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के खिलाफ शांतिपूर्ण और कानूनी सीमाओं में रहकर विरोध करने की अपील की है। बोर्ड ने पश्चिम बंगाल में प्रदर्शनों के दौरान तीन मुस्लिम युवकों की मौत की भी निंदा की और राज्य सरकार से जवाबदेही के साथ ही मुआवजे की भी मांग की। एआईएमपीएलबी ने वक्फ संशोधन अधिनियम की कड़ी आलोचना की है और इसे मस्जिदों, मदरसों और कब्रिस्तानों जैसे मुस्लिम धार्मिक और सांस्कृतिक संस्थानों की स्वायत्तता के लिए खतरा बताया है। बोर्ड ने कानून को असंवैधानिक और अधिकारों का उल्लंघन बताया है। इसने मुसलमानों से मान्यता प्राप्त संगठनों के नेतृत्व में संरचित और वैध तरीकों से अधिनियम के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया है। एआईएमपीएलबी ने समुदाय के सदस्यों को सलाह दी है कि वे उन राज्यों में विरोध प्रदर्शन करने से बचें जहां प्रशासनिक या राजनीतिक माहौल उनके पक्ष में न हो। इसने जोर दिया गया है कि बोर्ड या किसी प्रमुख मुस्लिम निकाय द्वारा बुलाए जाने तक कोई भी प्रदर्शन नहीं किया जाना चाहिए। इसने कहा कि हमारा जोर शांतिपूर्ण और अनुशासित लामबंदी पर होना चाहिए। बोर्ड ने पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुई हिंसा को भी उजागर किया है, जिसमें आरोप लगाया है कि अधिनियम से संबंधित विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई के कारण तीन मुस्लिम युवकों की जान चली गई।

## भारत के पहले राष्ट्रीय सहकारी युनिवर्सिटी का महत्व

बालासुब्रमण्यम अय्यर
क्षेत्रीय निदेशक, इंटरनेशनल कोऑपरेटिव एलायंस एशिया एंड पैसिफिक

**भारत** के पहले राष्ट्रीय सहकारी युनिवर्सिटी, त्रिभुवन सहकारी युनिवर्सिटी के लिए विधेयक का संसद में पारित होना भारतीय सहकारी आंदोलन की यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इसका 2025 के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान संपन्न होना इसके महत्व को और बढ़ाता है। जैसा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा, यह युनिवर्सिटी सहकार से समृद्धि के दृष्टिकोण को साकार करने में एक शक्तिशाली माध्यम बनने के लिए तैयार है। भारत दुनिया के सबसे बड़े सहकारी आंदोलन का घर है, जिसमें 800,000 से ज्यादा सहकारी समितियां और 287 मिलियन सदस्य शामिल हैं। रोटी, कपड़ा से लेकर मकान तक की जरूरतों के लिए लोगों के दैनिक जीवन में गहराई से समाहित सहकारी समितियाँ सिर्फ आर्थिक संस्थाएं नहीं हैं; वे समुदाय-संचालित विकास, आर्थिक समानता और सामाजिक न्याय की अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं। 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना ने इस क्षेत्र के लिए एक नई राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का संकेत दिया, जिसका उद्देश्य इसकी पहुंच का विस्तार करना, इसकी दक्षता में सुधार करना और इसे समावेशी विकास की आधारशिला के रूप में एकीकृत करना है। सहकारिता मंत्रालय ने सराहनीय कदम उठाए हैं: 67,390 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को कम्प्यूटरीकृत करने के लिए 2,516 करोड़ आवंटित करना, 25 से अधिक व्यावसायिक गतिविधियों को करने में पीएसीएस को सक्षम करने के लिए 32 राज्यों में मॉडल उपनियमों को लागू करना, 2 लाख नई बहुउद्देशीय सहकारी समितियाँ बनाने का लक्ष्य रखना, 1,100 किसान उत्पादक संगठनों को समर्थन देना और 44,000 पीएसीएस को सामान्य सेवा केंद्रों में बदलना। कर प्रोत्साहन, आसान ऋण और विकेंद्रीकृत भंडारण सुविधा सहकारी समितियों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। बीज, निर्यात और जैविक उत्पादों के लिए तीन नए राष्ट्रीय महासंघों की स्थापना इस बात का संकेत है कि सहकारी समितियों को भारत के विकास के प्रमुख एजेंट के रूप में स्थापित किया जा रहा है। परन्तु, अपने विस्तार और पहुंच के बावजूद, सहकारी क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण की अवरचना आंशिक, अविकसित और असमान रूप से वितरित है। प्रबंधकीय और प्रशासनिक से लेकर तकनीकी और परिचालन तक योग्य पेशेवरों की मांग आपूर्ति से कहीं अधिक है। मौजूदा कर्मचारियों और बोर्ड के सदस्यों की क्षमता निर्माण में निवेश करने की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है । इन कर्मचारियों में से कई के पास नियमित प्रशिक्षण या शिक्षा के अवसरों तक पहुंच नहीं है। मानकीकृत पाठ्यक्रम, गुणवत्ता आश्वासन और संस्थागत सामंजस्य के बिना, यह क्षेत्र अपनी क्षमता का पूरी तरह से लाभ नहीं ले सकता है या अपने विकास को बनाए नहीं रख सकता है। सहकारी आंदोलन में नई और युवा पीढ़ियों को आकर्षित करने की भी सख्त जरूरत है - ऐसे व्यक्ति जो न केवल पेशेवर हों बल्कि सहकारी मूल्यों से प्रेरित हों और क्षेत्र में नवाचार करने के लिए आतुर हों। यहां, त्रिभुवन सहकारी युनिवर्सिटी एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकता है: शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए एक केंद्र के रूप में सेवा करके जो नई पीढ़ी के सहकारी नेताओं को बढ़ावा देते हुए सभी स्तरों पर उनकी क्षमता का निर्माण कर सकेगा । अमूल मॉडल के वास्तुकार, दूरदर्शी त्रिभुवनदास पटेल के नाम पर, और भारत की डेयरी सहकारी क्रांति के उद्गम स्थल आनंद में स्थित यह युनिवर्सिटी एक प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि है, साथ ही यह एक रणनीतिक हस्तक्षेप भी है। ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद का चयन - एक ऐसा संस्थान जिसने दशकों से सहकारी प्रबंधन शिक्षा में अग्रणी भूमिका निभाई है - इस युनिवर्सिटी की नींव के रूप में व्यावहारिक और प्रेरणादायक दोनों है। आनंद में आईआरएमए को सेंटर ऑफ एक्सेलेंस के रूप में नामित किए जाने के साथ, यह युनिवर्सिटी सहकारी उद्यमों की चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए सुसज्जित पेशेवरों को तैयार करने की एक मजबूत विरासत का निर्माण करेगा।

## राज्य मंत्री संजय सेठ ने तंजानिया के उपराष्ट्रपति से की मुलाकात

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** भारत के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दार एस सलाम के स्टेट हाउस में तंजानिया के उपराष्ट्रपति फिलिप इस्डोर मपांगो से मुलाकात की। मंत्री ने भारत के माननीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की शुभकामनाएं उपराष्ट्रपति मपांगो को दीं और तंजानिया के उपराष्ट्रपति को अफ्रीका भारत प्रमुख समुद्री जुड़ाव 2025 के सफल उद्घाटन के बारे में जानकारी दी। उपराष्ट्रपति मपांगो ने माननीय मी को पहले AIKEYME और तीसरे रक्षा एक्सपो के लिए बधाई दी। दोनों पक्षों ने रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की। बैठक में महामहिम स्टगोर्मेना लॉरेंस टैक्स, तंजानिया के माननीय रक्षा मंत्री, भारत के नौसेना स्टाफ के प्रमुख एडमिरल डी के त्रिपाठी, तंजानिया में भारत के उच्चायुक्त श्री बिश्वदीप डे, अमित शतीजा संयुक्त सचिव (डीपीआई) रक्षा मंत्रालय भी शामिल हुए।

### संयुक्त गणराज्य के रक्षा मंत्री से भी की मुलाकात

मंत्री संजय सेठ ने दार एस सलाम के उपंगा मुख्यालय में तंजानिया संयुक्त गणराज्य की रक्षा मंत्री महामहिम स्टेगोर्मेना लॉरेंस टैक्स से मुलाकात की। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में मजबूत और बढ़ते द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। दोनों मंत्रियों ने हाल के जुड़ावों में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने दार एस सलाम में आयोजित पहले बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास एआईकेईएमई (अफ्रीका इंडिया की मैरीटाइम एंगेजमेंट) के सफल उद्घाटन का स्वागत किया, जो क्षेत्रीय समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने में एक मील का पत्थर है। यह अभ्यास हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए भारत और अफ्रीकी देशों की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। चचाओं में सहयोग के नए रास्ते तलाशने, रक्षा आदान-प्रदान बढ़ाने और क्षमता निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों नेताओं ने सतत आर्थिक विकास और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए एक सुरक्षित और स्थिर हिंद महासागर क्षेत्र के महत्व को रेखांकित किया। बैठक सकारात्मक नोट पर समाप्त हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों में भविष्य के सहयोग और आपसी समर्थन के लिए आशावाद व्यक्त किया।

### राजस्थान में आज से अदालतों का बदल जाएगा समय

**जयपुर।** राजस्थान की अदालतों में 15 अप्रैल से समय बदल जाएगा। हाईकोर्ट से लेकर प्रदेश की अन्य अदालतों अब सुबह शिफ्ट में चलेगी। हाईकोर्ट में सुबह 8 बजे लेकर दोपहर 1 बजे तक और अधीनस्थ अदालतों में सुबह 8 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक सुनवाई होगी। सभी अदालतें 27 जून तक सुबह की शिफ्ट में ही काम करेगी। प्रदेश में अदालतों की स्थापना के बाद से ही गर्मियों में कोर्ट्स मॉर्निंग शिफ्ट में संचालित होती है। जुलाई से फिर अदालतें अपने रूटीन समय पर संचालित की जाएंगी। नई समय सारिणी के मुताबिक हाईकोर्ट में रजिस्ट्री और अधीनस्थ अदालतों में कार्यालय का समय सुबह साढ़े 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा।

## शिक्षकों ने मनाई डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती

एजेंसी

**मीरजापुर ।** लालगंज विकास खंड लालगंज के प्राथमिक विद्यालय लहंगपुर में दिनांक 14 अप्रैल 2025 दिन सोमवार को संविधान के निमार्ता परम पूज्य डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी का 134वां जन्मदिवस प्रधानाध्यापक आलोक दुबे के अध्यक्षता में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आपको बता दे कि संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के 134वीं जयंती के शुभ अवसर पर प्राथमिक विद्यालय लहंगपुर में बच्चों एवं शिक्षकों ने रैली निकाल कर गली मोहल्ले में जागरूकता अभियान चलाया गया। तथा बाबा के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं माल्यार्पण कर संविधान निर्माण एवं उनके जीवन के विषय में बच्चों को बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने बाबा साहेब के विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। शिक्षकों ने भी अंबेडकर जी के योगदान पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय लहंगपुर के प्रधानाध्यापक आलोक दुबे ने बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहेब का जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने समाज के हर वर्ग को समानता का अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया। इस मौके पर नोडल शिक्षक संकुल लालगंज श्याम जी मौर्य ने बताया कि भारत के इतिहास में कुछ ऐसे महान लोग हैं जिन्होंने समाज की दिशा और दशा को पूरी तरह बदल दिया।

## यूएसबीआरएल परियोजना पर सामाजिक-आर्थिक विकास और चुनौतियां

एजेंसी

**नई दिल्ली।** कश्मीर को भारतीय रेलवे नेटवर्क से जोड़ने का सपना सदियों पुराना है। जम्मू-स्त्रीनगर रेल लिंक के निर्माण का पहला विचार एक सदी से भी पहले रखा गया था, जब 1 मार्च 1892 को महाराजा प्रताप सिंह ने जम्मू-श्रीनगर रेल लिंक की नींव रखी थी। बाद में 1898 में महाराजा रणबीर सिंह ने भी इस परियोजना को आगे बढ़ाया। पंजाब को श्रीनगर और कश्मीर घाटी से जोड़ने के लिए चार व्यावहारिक मार्गों की पहचान की गई थी: जम्मू से बनिहाल मार्ग, झेलम घाटी के माध्यम से पूंछ मार्ग, रावलपिंडी से पंजार मार्ग, और हजारा से होकर एबटाबाद मार्ग। कई बार इस पर विस्तृत सर्वेक्षण हुए लेकिन दुर्गम भूगोल, सीमित संसाधनों और कठिन जलवायु के कारण यह विचार सिर्फ नक्शों और रिपोर्टों तक ही सीमित रह गया। 1905 में ब्रिटिशों ने फिर से इस विचार को उठाया और महाराजा प्रताप सिंह ने रियासी के रास्ते मुगल रोड होकर जम्मू से श्रीनगर तक लाइन के लिए सहमति दी, लेकिन यह परियोजना भी अधूरी रह गई। स्वतंत्रता के बाद भी यह विचार कई बार सामने आया, लेकिन 1981 में जम्मू-उधमपुर रेल लिंक को स्वीकृति दी गई। 1994-95 में उधमपुरझस्त्रीनगरझबारामुला रेल लिंक को अंतिम रूप से स्वीकृति दी गई और 2002 में इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजनाः घोषित किया गया।

**सामाजिक-आर्थिक विकास**

**रोजगार सृजन**

- जिन लोगों की 75% से अधिक भूमि रेलवे ने अधिग्रहित की, उन्हें सरकारी नौकरी दी गई। अब तक 804 लाभार्थियों को नियुक्त किया गया है।
- निर्माण एजेंसियों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से 14069 लोगों को रोजगार मिला, जिनमें से 65% स्थानीय निवासी थे।
- इस परियोजना में 525 लाख मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ।

**स्थानीय कारीगरों का कौशल विकास**

इस परियोजना में सुरंग निर्माण, पुल निर्माण, विद्युतीकरण, ट्रैक बिछाने जैसे कार्य अत्याधुनिक तकनीकों से किए गए। इससे स्थानीय कारीगरों को नई तकनीकों का प्रशिक्षण मिला और अब वे देश के अन्य महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स में कार्यरत हैं।

**पहुंच में सुधार**

यह परियोजना अत्यंत दुर्गम क्षेत्रों में शुरू हुई जहाँ पहले कोई पहुँच नहीं थी। वरइफ्छ ने 215 किमी से अधिक पहुँच मार्गों का निर्माण किया। कठिन भौगोलिक और सुरक्षा स्थितियों के बीच, सेना के हेलीकॉप्टर टक-26 की मदद से भारी मशीनें दुर्गम क्षेत्रों तक पहुँचाई गईं।

**गांवों की कनेक्टिविटी**

लगभग 70 गाँवों जैसे कि गूनी, पैखड़, बत्तलगला, बक्कल, कौरी, डुग्गा, सूरुकोट, बसिंधधार, संगलदान आदि की सड़क से कनेक्टिविटी सुनिश्चित हुई, जिससे लगभग 1.5 लाख लोगों को लाभ मिला। पहले यह लोग पगडंडियों या नावों के माध्यम से ही आते-जाते थे।

**आर्थिक विकास**

- स्थानीय व्यवसायों को प्रोत्साहनः अब स्थानीय कृषि और हस्तशिल्प व्यवसायों को बड़े बाजार मिल रहे हैं।
- उद्योगिकरणः कच्चे माल और तैयार माल के परिवहन से उद्योगों की स्थापना को बल मिलेगा।
- कृषि और व्यापार में उन्नतिः सेब, केसर, और अन्य कृषि उत्पादों का अन्य राज्यों में परिवहन आसान हुआ है।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचः अब किसान और कारोबारी अपने उत्पादों को देश और दुनिया में बेच सकते हैं।

**सामाजिक एकता**

रेलवे कनेक्टिविटी से विभिन्न समुदायों के बीच आपसी संवाद बढ़ेगा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा, और एकजुटता का वातावरण बनेगा।

## पाकिस्तान आतंकवाद और दुनिया के बीच दीवार की तरह खड़ा है: नकवी

एजेंसी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा है कि उनका देश आतंकवाद और दुनिया के बीच दीवार की तरह खड़ा है। उन्होंने अमेरिकी संसद के शिष्टमंडल से मुलाकात की और अर्थव्यवस्था, व्यापार, सुरक्षा व आतंकवाद-रोधी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। अमेरिकी शिष्टमंडल में जैक बर्गमैन, थॉमस रिचर्ड सुओजी और जोनाथन एल जैक्सन शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट में जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश, सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी सहयोग को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए आपसी हितों के मामलों पर बातचीत की। नकवी ने कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक चुनौती है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान के साथ पूर्ण सहयोग करने की जरुरत है। उन्होंने यह रेखांकित किया कि पाकिस्तान आतंकवाद और दुनिया के बीच एक दीवार की तरह खड़ा है। नकवी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में पाकिस्तान की कुर्बानी अतुलनीय है और अमेरिकी शिष्टमंडल की यह यात्रा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान की भूमिका को रेखांकित करने में अहम साबित होगी।

# पोइला बोइशाखः बांग्ला नववर्ष कैसे मनाते हैं लोग

**पोइला बोइशाख बंगाली नववर्ष का पहला दिन होता है, जिसे बंगाली समुदाय के लोग धूमधाम से मनाते हैं। पोइला बोइशाख आमतौर पर 14 या 15 अप्रैल को मनाया जाता है। इस वर्ष पोइला बोइशाख 15 अप्रैल को मनाया जाता है।**

दुनियाभर में ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक 1 जनवरी को नया साल मनाया जाता है। लेकिन भारत में अलग-अलग धर्म संप्रदायों में नववर्ष भी अलग-अलग तिथियों में मनाया जाता है। हिंदू नववर्ष की शुरुआत चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को होती है, सिख नववर्ष वैशाखी के दिन मनाते हैं, पारसी नववर्ष नवरोज पर मनाते हैं वहीं जैन समुदाय के लोग दिवाली के अगले दिन को नववर्ष के रूप में मनाते हैं। इसी तरह से बंगाली समुदाय के लोग पोइला बोइशाख को नया साल मनाते हैं।

**पोइला बोइशाख कब है**

बंगाली नववर्ष बंगाली समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन होता है, जिसे त्योहार की तरह मनाया जाता है, जोकि हर साल अप्रैल के मध्य में मनाया जाता है। इस साल पोइला बोइशाख या बंगाली नववर्ष 15 अप्रैल 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन से बंगाली संवत 1432 की शुरुआत होगी। पोइला का अर्थ होता है पहला और बोइशाख का अर्थ है साल का पहला महीना। यानी पोइला बोइशाख का अर्थ है साल का पहला दिन।

**पोइला बोइशाख पर क्या करते हैं लोग**

इस दिन लोग एक दूसरे को शुभो नोबो बोरसो कहकर नए साल की शुभकामना देते हैं।

महिलाएं पारंपरिक बंगाली परिधान लाल बॉर्डर वाली सफेद रंग की साड़ी पहनती हैं और पुरुष धोती-कुर्ता पहनते हैं।

सुबह जुलूस निकाला जाता है, जिसमें लोग गीत और नृत्य होते हैं।

साल के पहले दिन बंगाली लोग पंजिका (बंगाली पंचांग या कैलेंडर) खरीदते हैं।

घरों में पारंपरिक भोजन जैसे भात, माछ (मछली), पायेश (खीर) आदि तैयार किए जाते हैं।

सौभाग्य व समृद्धि के लिए घर-घर लक्ष्मी-गणेश की पूजा की जाती है।

शुभ-मांगलिक कार्य जैसे नए काम या व्यवसाय की शुरुआत, गृह प्रवेश, मुंडन आदि के लिए पोइला बोइशाख के दिन को शुभ माना जाता है।

**पोइला बोइशाक का इतिहास**

बंगाली नववर्ष यानी पोइला बोइशाख का इतिहास मुगल शासकों से जुड़ा है। मान्यता है कि मुगल शासन के समय इस्लामी हिजरी कैलेंडर था, जोकि चंद्र पर आधारित था और हर साल तिथियां बदलती रहती थी, जिससे किसानों को समस्या होती थी, क्योंकि फसलें सूर्य आधारित मौसम पर निर्भर थी। इस तरह से कृषि चक्रों से अलग होने कारण हिजरी कैलेंडर मेल नहीं खाता था। तब अकबर ने अपने खगोलशास्त्री फतुल्लाह शिराजी से बंगालियों के लिए एक नया कैलेंडर लाने को कहा था, जिससे कि कर संग्रह करने में आसानी हो। फसल के समय बादशाह कर संग्रह का समय तय करना चाहते थे और इसलिए उन्होंने इसकी पहल की। इसलिए माना जाता है कि बोंगाब्दो की शुरुआत 594 ईस्वी से हुई और बंगाली संवत का पहला साल बोंगाब्द 1 अकबर के आदेश पर ही लागू हुआ था।

कुछ इतिहासकारों के अनुसार बंगाली युग की शुरुआत 7वीं शताब्दी में राजा शोशंगको के समय हुई। इसके अलावा दूसरी ओर यह भी मत है कि चंद्र इस्लामिक कैलेंडर और सूर्य हिंदू कैलेंडर को मिलाकर ही बंगाली कैलेंडर की स्थापना हुई थी। कुछ ग्रामीण हिस्सों में बंगाली हिंदू अपने युग की शुरुआत का श्रेय सम्राट विक्रमादित्य को भी देते हैं। इनका मानना है कि बंगाली कैलेंडर की शुरुआत 594 ई. में हुई थी।

# विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन करें दान, बन जाएंगे बिगड़े काम!

हिन्दू धर्म में विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत भगवान गणेश को समर्पित है। जो हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। 'विकट' भगवान गणेश के 32 स्वरूपों में से एक हैं, जो बाधाओं और नकारात्मक शक्तियों को दूर करने वाले माने जाते हैं। इसलिए, इस चतुर्थी का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने और व्रत रखने से सभी प्रकार के संकट और परेशानियां दूर होती हैं। यह व्रत विशेष रूप से उन लोगों के लिए फलदायी है जो किसी बीमारी, कर्ज, मानसिक तनाव या पारिवारिक समस्याओं से जूझ रहे हैं।

विकट संकष्टी चतुर्थी को विघ्नहर्ता भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने और जीवन में सुख-समृद्धि लाने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। बुधवार के दिन पड़ने वाली संकष्टी चतुर्थी का विशेष महत्व होता है। इस दिन विधि विधान से पूजा अर्चना करने से लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में खुशियां बनी रहती हैं।

पंचांग के अनुसार, वैशाख माह कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 16 अप्रैल को दोपहर 1 बजकर 16 मिनट पर होगी। वहीं तिथि का समापन 17 अप्रैल को दोपहर 3 बजकर 23 मिनट पर होगा। इस दिन चंद्रोदय के समय पूजा का विधान है। ऐसे में 16 अप्रैल को भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी मनाई जाएगी।

**विकट संकष्टी चतुर्थी पूजा विधि**

विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन सुबह स्नान आदि करके व्रत का संकल्प लें।

दिन भर फलाहार करें या निर्जल व्रत रखें।

शाम को भगवान गणेश की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

उन्हें सिंदूर, अक्षत, चंदन, फूल, दूर्वा और मोदक अर्पित करें।

गणेश चालीसा या संकष्टी चतुर्थी व्रत कथा का पाठ करें।

चंद्रोदय के बाद चंद्रमा की पूजा करें और उन्हें अर्घ्य दें।

अंत में भगवान गणेश की आरती करें और प्रसाद वितरण करें।

**इन चीजों का करें दान**

**काले तिल**- काले तिल का दान संकष्टी चतुर्थी पर बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इसमें अनेक देवताओं का वास होता है और इसका दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। यह शरीर को स्वस्थ और बच्चों को दीर्घायु प्रदान करता है।

**गुड़**- गुड़ का दान करने से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और जीवन की बाधाएं दूर होती हैं। यह भाग्य को मजबूत करने में भी सहायक माना जाता है।

**घी और नमक**- घी का दान स्वास्थ्य और धन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। इसे शुभ फलदायी माना गया है और नमक का दान जीवन में सुख-समृद्धि लाता है और बुरी नजर से बचाता है।

**अनाज**- गरीबों और जरूरतमंदों को अनाज का दान करना बहुत पुण्य का कार्य है। आप अपनी क्षमतानुसार चावल, गेहूं या कोई अन्य अनाज दान कर सकते हैं।

**फल**- संकष्टी चतुर्थी के दिन फलों का दान करना भी शुभ माना जाता है। आप केले, सेब, अनार या कोई भी मौसमी फल दान कर सकते हैं।

**वस्त्र**- गरीबों को वस्त्र दान करने से भगवान गणेश की कृपा प्राप्त होती है। इसके अलावा पीतल या स्टील के बर्तनों का दान भी शुभ माना जाता है।

## मृत्यु से बड़ा भय

एक पुरानी तिब्बती कथा है कि दो उल्लू एक वृक्ष पर आकर बैठे। एक उल्लू के मुंह में सांप था, जो उसका भोजन था। दूसरा उल्लू एक चूहा पकड़ लाया था। दोनों पास-पास बैठे। सांप ने जैसे ही चूहे को देखा, वह यह भूल गया कि वह उल्लू के मुंह में है और मृत्यु के बहुत निकट है। चूहे को देखकर उसके मुंह में पानी भर आया। उसकी इंद्रियों की तृप्ति की लालसा इतनी प्रबल थी कि उसे अपने मृत्यु-स्थिति का भी भान नहीं रहा। उधर, जैसे ही चूहे ने सांप को देखा, वह भयभीत हो गया। वह कांपने लगा— मृत्यु के मुंह में होने के बावजूद, डर उसे सांप से लग रहा था। दोनों उल्लू यह दृश्य देखकर हैरान रह गए। एक उल्लू ने दूसरे से पूछा, 'भाई, क्या तुमने यह समझा कि यह क्या हो रहा है?' दूसरे उल्लू ने उत्तर दिया, 'बिलकुल! अब समझ में आया कि रस, स्वाद और इंद्रिय-तृप्ति की इच्छा इतनी गहरी होती है कि मृत्यु सामने खड़ी हो, तब भी दिखाई नहीं देती। और यह भी समझ में आया कि भय, मृत्यु से भी बड़ा होता है।'

# क्या होता है औरा और इसके विस्तार से आप कैसे पा सकते हैं आकर्षण?

**अपने औरा या आभामंडल को सकारात्मक कैसे बनाएं यह एक ऐसा प्रश्न है जो हर मनुष्य पुरुष या स्त्री के मन को परेशान करता रहता है। औरा या आभामंडल की ऊर्जा का संबंध मनुष्य के कर्मों से होता है।**

सकारात्मक वातावरण, सत्संग, हवन, मंत्र उच्चारण, ध्यान, भजन और धार्मिक स्थान एवं सकारात्मक लोगों के सानिध्य में आने से मनुष्य का आभामंडल विस्तृत होता है। आप रोजमर्रा के जीवन में अपना कुछ बातें अपनाकर औरा क्लीन कर सकते हैं लेकिन इसके अलावा भी कुछ उपाय हैं जो आभामंडल को सकारात्मक बना सकता है।

दरअसल, मनुष्य के शरीर में सात चक्रs होते हैं मूलाधार चक्र, स्वादिष्ठान चक्र, मणिपुर चक्र, अनाहत चक्र, विशुद्ध चक्र आज्ञा चक्र और सहस्त्र चक्र। मनुष्य के चारों ओर एक प्रकाशीय वृत प्रतीत होता है और वह प्रकाश चक्र सूर्य, चंद्रमा का आभामंडल कहलाता है जिसकी हम भिन्न-भिन्न शब्दों में व्याख्या करते हैं जैसे कोई इसे तेज कहता है, कोई पुंज, कोई कांति, कोई चमक, कोई आभा, कोई नूर। इसी प्रकार प्रत्येक प्राणी का भी एक आभामंडल होता है।

**क्या होता है निष्प्रभ मंडल**

इन सात चक्र से आभामंडल का निर्माण होता है। मनुष्य के सातों चक्रों से ही सकारात्मक ऊर्जा प्रकट होती है, जो उस व्यक्ति का आभामंडल कहलाता है, और जब उन चक्र से नकारात्मक ऊर्जा निकलती है तो वह निष्प्रभ मंडल कहलाता है।

**आभामंडल और निष्प्रभ मंडल में क्या अंतर है**

शास्त्रों के अनुसार, एक साधारण व्यक्ति का आभामंडल दो से तीन फीट, तो महापुरुषों एवं संतों का आभामंडल 30 से 60 मी का होता है। इन दोनों आभामंडलों में अंतर में इस बात का स्पष्ट संकेत है कि ईश्वर की साधना, तप, ध्यान आभामंडल को बढ़ाने में सीधा-सीधा योगदान देता है। आभामंडल को कमजोर करने वाले तत्व जीवन में काम, क्रोध, मोह, अहंकार, मद और दुरवयशन आदि हैं।

**जीव-जन्तुओं का भी होता है आभामंडल**

हिंदू धर्म में सृष्टि के हर निर्माण की पूजा का विधि विधान बताया गया है। इसी प्रकार वनस्पतियों की भी पूजा बताई गई है आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इन वनस्पतियों का, जीव जंतुओं का भी अपना आभामंडल है और एक सामान्य व्यक्ति के आभामंडल से कहीं ज्यादा प्रभावित है।

पीपल का 3.5 मीटर, तुलसी का 6.11 मीटर, वट वृक्ष का 10.5 मीटर, कदम वृक्ष का 8.4 मीटर , नीम वृक्ष का 5.5 मीटर, आम वृक्ष का 3.5 मीटर, नारियल का 10.5 मीटर, फूलों में कमल का 6.8 मीटर, गुलाब का 5.7 मीटर, सफेद आंक का 15 मीटर, होता है

जब हम जानवरों के आभामंडल की बात करते हैं तो पाते हैं गाय का आभामंडल 16 मी, गाय के घी का 14 मी, गाय के दूध का 13 मी, गाय की दही का 6 19 मीटर होता है। सृष्टि की विडंबना देखिए वह वनस्पति जिसको हम निर्जीव मानकर अवहेलना करते हैं उनका आभामंडल एक सामान्य व्यक्ति के आभामंडल से कहीं ज्यादा प्रभावशाली है।

**कैसे बढ़ाएं अपना औरा?**

यही कारण है कि हिंदू धर्म में पूजा पाठ हवन इत्यादि में इन वनस्पतियों का विशेष उपयोग होता है। हवन में आम की लकड़ी का प्रयोग गाय के घी का प्रयोग जो एवं तिल आदि की आहुति देने का प्रयोग वातावरण में एक विस्तृत आभामंडल का निर्माण करता है। जो व्यक्ति उस आभामंडल के सानिध्य में होगा और जो निरंतर आभामंडल के निर्माण में अपने आप को सक्रिय रखता है उसका आभा वृत निश्चित बढ़ता है।

इसी प्रकार आभामंडल को बढ़ाने में ओजस्वी, तेजस्वी, पवित्र बुद्धिमान लोगों के संपर्क में समय व्यतीत करने से भी आभामंडल का निर्माण होता है। सभी मित्रों से अनुरोध अपने घर दफ्तर में पेड़ पौधों का रोपण करें।

प्रकाश की व्यवस्था रखें, स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें घरों में हवन, दीप प्रकाश, शंखनाद आदि करते रहें और सभी पांच तत्वों की शुद्धि का विशेष ध्यान रखें तो निश्चित ही आपके आभामंडल में भी विस्तार होगा।

# खरमास खत्म होते ही बजनी शुरू हो गईं शहनाइयां, जुलाई तक होंगे शुभ काम

**14 अप्रैल से खरमास की समाप्ति के बाद से विवाह, सगाई, गृह प्रवेश आदि शुभ और मांगलिक कार्य शुरू हो गए हैं। खरमास के दौरान कोई भी शुभ या मांगलिक कार्य करने की मनाही होती है। आइए आपको बताते हैं कि अप्रैल से लेकर जुलाई तक शुभ मुहूर्त कब-कब हैं।**

खरमास समाप्त होने के बाद एक बार फिर से शादी की शहनाइयों की गूंज शुरू हो गई है। 14 अप्रैल से एक बार फिर शुभ-मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। 14 अप्रैल से शुरू होकर 6 जुलाई तक मांगलिक कार्य किए जाएंगे। 6 जुलाई के बाद चातुर्मास लग जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, खरमास की तरह ही चातुर्मास में कोई शुभ या मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। चातुर्मास देवशयनी एकादशी से शुरू होकर देवउठनी एकादशी पर समाप्त होता है, यानी पूरे 4 महीने तक चलता है। जबकि खरमास एक महीने चलता है, जो कि साल में दो बार लगता है। आइए जानते हैं कि कब से कब तक वैवाहिक कार्य किए जाएंगे।

**14 अप्रैल को समाप्त खरमास**

ग्रहों के राजा सूर्य देव ने 14 अप्रैल को राशि परिवर्तन किया है यानी वे मीन राशि से निकलकर अपनी उच्च राशि मेष में प्रवेश कर चुके हैं, जिसके साथ ही खरमास समाप्त हो गया। इसी के साथ वैवाहिक और मांगलिक कार्यों का पहला चरण शुरू होगा, जो कि 6 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान विवाह, गृह प्रवेश, गृहारंभ, नामकरण, नवीन कार्य प्रारंभ जैसे कार्यों की शुरुआत हो जाएगी।

**गुरु तारा हो जाएगा अस्त**

ज्योतिष के अनुसार, 14 जून को गुरु तारा अस्त हो जाएगा, जिसके बाद एक बार फिर मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाएगा। गुरु तारा 7 जुलाई तक अस्त रहेगा। इसमें कुछ अबूझ मुहूर्त भी हैं जिनमें मांगलिक कार्य हो सकेंगे। 4 जुलाई को भड़ल्या नवमी पर अबूझ मुहूर्त रहेगा और इसके बाद 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी पर अबूझ मुहूर्त होगा। देवशयनी एकादशी के बाद से श्रीहरि विष्णु शयन पर चले जाएंगे, जिसके बाद 4 महीने तक विवाह आदि मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। इसके बाद मांगलिक कार्यों का दौर 1 नवंबर को देवउठनी एकादशी से ही शुरू होगा।

**अप्रैल विवाह मुहूर्त 2025**

14 अप्रैल 2025, सोमवार
16 अप्रैल 2025, बुधवार
17 अप्रैल 2025, बृहस्पतिवार
18 अप्रैल 2025, शुक्रवार
19 अप्रैल 2025, शनिवार
20 अप्रैल 2025, रविवार
21 अप्रैल 2025, सोमवार
25 अप्रैल 2025, शुक्रवार
29 अप्रैल 2025, मंगलवार
30 अप्रैल 2025, बुधवार

**मई विवाह मुहूर्त 2025**

1 मई 2025, बृहस्पतिवार
5 मई 2025, सोमवार
6 मई 2025, मंगलवार
8 मई 2025, बृहस्पतिवार
10 मई 2025, शनिवार
14 मई 2025, बुधवार
15 मई 2025, बृहस्पतिवार
16 मई 2025, शुक्रवार
17 मई 2025, शनिवार
18 मई 2025, रविवार
22 मई 2025, बृहस्पतिवार
23 मई 2025, शुक्रवार
24 मई 2025, शनिवार
27 मई 2025, मंगलवार
28 मई 2025, बुधवार

**जून विवाह मुहूर्त 2025**

2 जून 2025, सोमवार
4 जून 2025, बुधवार
5 जून 2025, बृहस्पतिवार
7 जून 2025, शनिवार
8 जून 2025, रविवार

# शनि से डरे नहीं, हमेशा अशुभ ही नहीं होती है साढ़ेसाती, समझनी होगी चाल!

शनि की साढ़ेसाती कब लगती है, कैसे लगती है और उसका क्या प्रभाव होगा, इस बात को लेकर लोगों के मन में बहुत सवाल होते हैं। बहुत सारी भ्रांतियां हैं। शनि को लेकर और मुख्य रूप से जातकों के मन में एक ऐसा विचार डाला गया है कि शनि एक बहुत अशुभ ग्रह है और उसका फल सदैव अशुभ होता है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है प्रत्येक ग्रह शुभ और अशुभ हर तरह के फल देते हैं। शनि को लेकर आम जन मानस के मन मे भय व्याप्त है कि शनि अमंगल ही करता है। शनि की साढ़ेसाती कुछ अशुभ ही करेगी, जबकि शनि कर्म फल दाता है यानि वो ही देते जो आपके कर्मों में होता है।

शनि का शुभ और अशुभ फल जातक की जन्म कुंडली में कई स्तिथियों का आंकलन करके ही लगाया जाता है जैसे- नवांश कुंडली में और वर्ग कुंडली में शनि की क्या स्थिति है, उसकी क्या लॉर्डशिप है, उसकी क्या कंडीशन है, उसकी क्या रिलेटिव स्ट्रैंथ है, उसका बाकी ग्रहों से कैसा संबंध है, कुंडली के लिए क्या फंक्शनल मलेफिक प्लेनेट (अशुभ ग्रह) हैं या फंक्शनल बेनिफिक (शुभ ग्रह) हैं। इन सब बातों को बिना देखे हुए यह कहना कि शनि अशुभ फल ही देगा, शनि की साढ़ेसाती या ढैया सदैव अशुभ फल देगी। यह विचार पूरी तरह भ्रामक और गलत है।

**शनि की साढ़ेसाती क्या होती है?**

सबसे पहले हम इस बारे में बताते हैं कि शनि की साढ़ेसाती क्या होती है। अभी 29 मार्च 2025 को शनि का गोचर कुंभ राशि से मीन राशि में हुआ था और यह शनि मीन राशि में जून 2027 तक रहेगा। इसका तात्पर्य हुआ लगभग 27 महीने शनि मीन राशि में होगा और हम इसका यदि सुख विश्लेषण करें तो यह पाते हैं कि एक महीने में लगभग एक डिग्री शनि मीन राशि में 29 अप्रैल तक चल चुका होगा और 29 डिग्री बचा हुआ और जून 2027 तक पूरा करेगा। शनि की साढ़ेसाती इस पर निर्भर करती है कि जन्म कुंडली में चंद्रमा किस राशि में स्थित है।

वास्तव में चंद्रमा जिस राशि में स्थित है उससे पहले 45 डिग्री तक एवं उसके आगे 45 डिग्री तक यदि शनि का गोचर होगा तो उसका प्रभाव होगा लेकिन शनि की साढ़ेसाती को देखते वक्त ज्योतिषिगण इस गणना को बिना किए हुए यह भ्रम फैलाना शुरू कर देते हैं कि शनि का गोचर मीन राशि वाले जातकों के लिए, मेष राशि वाले जातकों के लिए और कुंभ राशि वाले जातकों के लिए अशुभता फल लेकर आएगा, लेकिन ऐसा नहीं है।

जन्म कुंडली में चंद्रमा की स्थिति किस राशि में है और किस डिग्री में है वहां से 45 डिग्री प्लस एवं माइंस पर क्या शनि का प्रभाव गोचर से हो रहा है या नहीं। इन चीजों के बारे में जान लेना चाहिए।

**शनि के बारे में यह भ्रामक रवैया क्यों?**

शनि स्लो प्लेनेट है। ये एक राशि में लगभग ढाई वर्ष तक रहता है। इसकी तीन दृष्टियां है तीसरी सातवीं एवं दसवीं। इसका तात्पर्य हुआ कि शनि ढाई वर्ष तक अपनी तीन दृष्टियों से तीन राशियों को पूरी तरह प्रभावित करता है। इसका ये प्रभाव जातकों के मन में यह भ्रम पैदा करता है कि शनी सिर्फ अशुभता लाता है। वास्तव में शनि कर्म फल दाता है। उसकी प्रकृति एक न्यायाधीश की तरह है। आपने जैसा कर्म किया है वैसा ही आपको फल मिलेगा।

## भतीजे इब्राहिम अली खान को सोहा ने दी जरूरी सलाह

इन दिनों सोहा अली खान फिल्म 'छोरी 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में नुसरत भरुचा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में महिलाओं, लड़कियों से जुड़े एक गंभीर मुद्दे के साथ हॉरर एंगल को जोड़ा गया है। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान ही सोहा अली खान ने करियर और निजी जीवन से जुड़े सवालों के जवाब भी दिए। खासकर अपने भतीजे इब्राहिम अली खान के एक्टिंग डेब्यू, सोशल मीडिया पर उसे मिल रही ट्रोलिंग को लेकर काफी कुछ कहा।

### इब्राहिम को काम पर फोकस करने की सलाह

फिल्म 'नादानियां' से इब्राहिम अली खान ने एक्टिंग में डेब्यू किया, खराब एक्टिंग के लिए इस यंग एक्टर को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया। इस ट्रोलिंग पर सोहा अली खान ने नयनदीप रक्षित के यूट्यूब चैनल पर कहा, 'इब्राहिम को अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। ऐसे लोगों से दूर रहना चाहिए जो उसकी हां में हां मिलाते हों।'

सोशल मीडिया कमेंट्स ना पढ़ने को कहा वह आगे कहती हैं, 'अगर कोई भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बन रहा है तो उन्हें इस तरह की बातों के लिए तैयार रहना चाहिए। लोगों की राय को हजम करने की क्षमता होनी चाहिए। हां, सोशल मीडिया पर जो कमेंट्स मिलते हैं, उनको पढ़ने से जरूर बचना चाहिए। लेकिन कई बार मुझे लगता है कि ये कमेंट्स भी इंपॉर्टेंट साबित होते हैं। इनके जरिए आपको अपने काम में सुधार करना चाहिए, अपने क्राफ्ट पर काम करना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।'

### क्या है छोरी में सोहा का रोल

आज यानी 11 अप्रैल को ही ओटीटी पर फिल्म 'छोरी' रिलीज हुई है। इसमें सोहा अली खान ने दासी मां नाम का नेगेटिव शेड कैरेक्टर निभाया है, यह फिल्म की विलेन भी कही जा सकती है। इस फिल्म में सोहा दर्शकों को बहुत हद तक डराने में कामयाब रही हैं।

## ड्रीम गर्ल 2 से छुट्टी होने पर छलका नुसरत का दर्द

साल 2019 में आई फिल्म ड्रीम गर्ल में आयुष्मान खुराना के साथ नुसरत भरूचा नजर आई। हालांकि, वर्ष 2023 में जब इसका सीक्वल ड्रीम गर्ल 2 आया तो नुसरत को फिल्म से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। उनकी जगह अनन्या पांडे सीक्वल का हिस्सा बनीं। इस पर नुसरत भरूचा का दर्द छलका है। नुसरत का कहना है कि यह सही नहीं था, उनके अलावा फिल्म की पूरी स्टारकास्ट सीक्वल में नजर आई।

नुसरत भरूचा ने कहा, मैं उन लोगों के साथ काम करूंगी, जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं, जो सेट पर मेरी मौजूदगी को महत्व देते हैं। दीवार में सिर मार के क्या होगा? फिल्म ड्रीम गर्ल में नुसरत का अभिनय दर्शकों को काफी पसंद आया। मगर, सीक्वल में माही राजपूत के उनके किरदार को अनन्या पांडे ने रिप्लेस कर दिया। फिल्म की रिलीज के करीब दो साल बाद अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उन्हें रिप्लेस किए जाने पर दुख हुआ। सीक्वल का हिस्सा नहीं बनाए जाने पर वे आहत हुई। खासकर यह पता चलने के बाद कि उन्हें छोड़कर पूरी कास्ट को दूसरे पार्ट में शामिल किया गया।

नुसरत ने नयनदीप रक्षित के टॉक शो में यह खुलासा किया।

उन्होंने कहा, मुझे तब और भी दुख हुआ जब मैं अपनी ही फिल्म की अगली कड़ी का हिस्सा नहीं बनी। खासकर यह जानकर की फिल्म का हर कलाकार सीक्वल का भी हिस्सा था, सिवाय लीड एक्ट्रेस के। मुझे लगा कि यह अच्छा नहीं था। नुसरत ने आगे कहा कि जब उन्हें पता था कि कुछ भी नहीं बदलेगा तो वह किसी चीज के लिए लड़ नहीं सकती थीं। अभिनेत्री ने कहा, मैं किस बात के लिए लडूं? मैं क्या कहूंगी? मैं क्यों नहीं हिस्सा बनी? ठीक है, वे कहेंगे, हम तुम्हें नहीं लेना चाहेंगे। यही सच्चाई है। और यहीं पर बात खत्म हो जाती है।

आखिरकार, यह किसी शख्स का चुनाव है। मैं उस पर सवाल नहीं उठा सकती। नुसरत ने कहा, मैं जो लड़ाई लड़ सकती हूं, वह है खुद पर हार न मानना। मैं उन लोगों के साथ काम करूंगी जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं। जो मानते हैं कि मैं उनके किरदार में जान डालूंगी और उनकी कहानियों और लेखन के साथ न्याय करूंगी। दीवार में सिर मारकर क्या होगा? सिर ही टूटेगा अपना।

## कृष 4 के लिए प्रियंका चोपड़ा ने करोड़ों में ली फीस! देश की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेसेस में शुमार

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड में अपना परचम लहरा रही थीं। अब वो फिर से इंडियन सिनेमा में वापसी करने जा रही हैं। उनके पास दो बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। महेश बाबू के साथ एसएस राजामौली की SSMB29 और ऋतिक रोशन के साथ कृष 4, जिसके बारे में रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है। इस तरह से वो देश की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेसेस में से एक बनने जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रियंका को SSMB29 में उनकी भूमिका के लिए कथित तौर पर 30 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है। कृष 4 के लिए भी उनकी सैलरी 20-30 करोड़ रुपये के बीच रहने की उम्मीद है। हालांकि, ऐसी भी अटकलें हैं कि प्रियंका सैलरी अमाउंट की जगह प्रॉफिट वाला विकल्प चुन सकती हैं। ज्यादातर बड़े प्रोजेक्ट्स में स्टार्स इस रणनीति को अपनाते हैं। बताया जा रहा है कि प्रियंका को कृष 4 फिल्म का विजन पसंद आया है और शुरुआती चर्चा के तुरंत बाद उन्होंने फिल्म पर हस्ताक्षर कर दिए। हालांकि, ऑफिशियल ऐलान होना अभी बाकी है।

## फिटनेस शारीरिक ही नहीं मानसिक भी होता है

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी फिटनेस को काफी महत्वपूर्ण मानती हैं। इसके लिए वह सख्ती के साथ नो-शुगर डाइट को भी फॉलो करती हैं। अभिनेत्री का मानना है कि फिटनेस सिर्फ शरीर से जुड़ा नहीं होता, बल्कि यह एक सोच या विचार भी है। यह मन से जुड़ा होता है। अपनी फिटनेस के बारे में श्वेता ने बताया, मेरे लिए फिटनेस का मतलब सिर्फ शरीर से संबंधित नहीं है। यह एक मानसिकता है। अभिनेत्री ने बताया कि वह अपने पति चैतन्य शर्मा उर्फ स्लो चीता और ट्रेनर त्रिदेव को फिटनेस के लिए लगातार प्रोत्साहित करने का श्रेय देती हैं। उन्होंने कहा, मैं लकी हूं कि मेरे पास पति और मेरे ट्रेनर जैसे कई लोग हैं, जो मुझे प्रोत्साहित करते रहते हैं। मैं नो शुगर डाइट को फॉलो करती हूं और इस छोटे से प्रयास ने मेरी काफी मदद की है। यह न केवल मुझे सकारात्मक रखने में मदद भी करता है।

उन्होंने बताया, मेरे ट्रेनर और फिटनेस साथी त्रिदेव ने मुझे अनुशासन के साथ एक एथलीट की तरह ट्रेनिंग के लिए प्रेरित किया। मेरा फिटनेस शेड्यूल ताकत और चुस्ती को बढ़ाने पर केंद्रित है। 'मिर्जापुर' सीरीज, 'मसान', 'रात अकेली है' और 'कार्गो' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री ने मार्च में अपनी पहली होम-प्रोडक्शन फिल्म की घोषणा की थी, जो महिलाओं पर आधारित होगी। श्वेता पिछली बार विपुल मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म 'कजूस मक्खीचूस' में नजर आई थीं। साल 2023 में रिलीज यह फिल्म प्रसिद्ध गुजराती ड्रामा 'सजन रे झूठ मत बोलो' पर आधारित है। फिल्म में श्वेता के साथ कुणाल खेमू, पीयूष मिश्रा, अलका अमीन, राजीव गुप्ता हैं। यह राजू श्रीवास्तव की अंतिम फिल्म थी। ओटीटी स्पेस में उनके काम की बात करें तो वह क्राइम-ड्रामा कालकूट में दिखी थीं। सुमित सक्सेना के निर्देशन में बनी सीरीज साल 2023 में आई थी। जियो सिनेमा पर रिलीज सीरीज में श्वेता त्रिपाठी के साथ विजय वर्मा, सीमा बिस्वास, यशपाल शर्मा, गोपाल दत्त और सुजाना मुखर्जी अहम भूमिकाओं में हैं।

## तेजस्वी के बारे में बोले करण-एक्सपेरिमेंट मेरे ऊपर करती है

टीवी एक्टर करण कुंद्रा की पहली मुलाकात तेजस्वी प्रकाश से रियालिटी शो 'बिग बॉस 15' में हुई। इस शो में दोनों ने हिस्सा लिया था, शो पर ही वे एक-दूसरे के करीब आए। शो से बाहर आने के बाद अपने रिलेशनशिप को सबके सामने कबूल भी किया। जल्द ही करण और तेजस्वी शादी भी करेंगे। हाल ही में करण कुंद्रा ने एक अच्छे पार्टनर का रोल तेजस्वी के लिए निभाया, वह एक रियालिटी शो में तेजस्वी को सपोर्ट करने के लिए पहुंचे। जानिए, इस मौके पर तेजस्वी के बारे में करण ने क्या कहा? एक्ट्रेस की कौन सी क्वालिटी करण को अच्छी लगती है।

### बोले ये एक्सपेरिमेंट तो मुझ पर करती है

कुकिंग रियालिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में तेजस्वी प्रकाश बतौर प्रतियोगी शामिल होंगी। इसी शो के फिनाले एपिसोड में करण कुंद्रा, तेजस्वी को सपोर्ट करने के लिए पहुचे थे। करण ने इस शो के मंच पर कहा, 'मेरी मां के बाद कोई है, जो मुझे संभाल पाता है, वो तेजस्वी है।' शो में तेजस्वी की ग्रोथ पर करण कहते हैं, 'सभी रेसिपी को लेकर तेजू एक्सपेरिमेंट मुझ पर ही करती है।'

### तेजस्वी से इंप्रेस नजर आए करण

करण आगे कहते हैं, 'तेजस्वी बहुत मेहनती है। जब से शो का हिस्सा बनी है, तब से महज चार घंटे सोई है।' करण तेजस्वी की कुकिंग स्किल्स से काफी इंप्रेस हैं। साथ ही वह यह भी बताते हैं कि शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में आने से पहले तेजस्वी को कुकिंग बहुत अच्छे से नहीं आती थी।

### करण भी इस शो में आए नजर

करण कुंद्रा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह एक फिल्म 'मिसिंग फेस' कर रहे हैं। इसके अलावा वह शो 'लाफ्टर शेफ' में भी नजर आते हैं। इस शो को कॉमेडियन भारती सिंह होस्ट करती हैं।

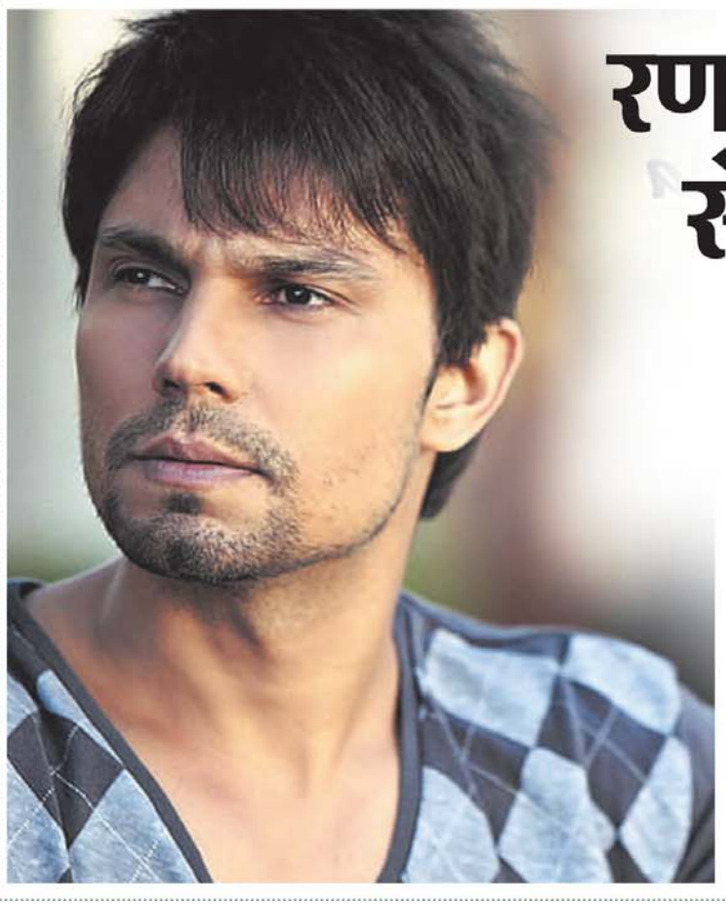

## रणतुंगा को मिली प्रशंसा से गदगद रणदीप हुड्डा

सनी देओल और रणदीप हुड्डा स्टारर एक्शन फिल्म जाट सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म पहले दिन 11 करोड़ से ज्यादा की कमाई करने में सफल भी रही। फिल्म में खलनायक 'रणतुंगा' की भूमिका निभाने वाले अभिनेता हुड्डा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दर्शकों से मिल रहे प्यार के लिए आभार जताया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर अभिनेता ने बताया कि खतरनाक किरदार को इतनी प्रशंसा मिलने का अनुभव शानदार रहा। पर्दे के पीछे की तस्वीरों को शेयर करते हुए रणदीप ने कैप्शन में लिखा, रणतुंगा के लिए मुझे मिल रहे प्यार को मैं अभी भी महसूस कर रहा हूं... इस तरह के खतरनाक किरदार को निभाना और उसे इतनी प्रशंसा पाना वास्तव में विनम्र करने वाला है। फिल्म में काम करने और सराहना पाने का अनुभव शानदार रहा। जाट के निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी को इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के लिए उन पर भरोसा करने और सनी देओल को एक अद्भुत सह-कलाकार बताते हुए उन्होंने दोनों को धन्यवाद देते हुए कहा, इस गहरी भूमिका के लिए मुझ पर भरोसा करने और हर कदम पर मुझे गाइड करने के लिए मेरे निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी को बहुत धन्यवाद। सनी पाजी के साथ काम करने का अनुभव भी बेहतरीन था। वह डाउन-टू-अर्थ और एनर्जी से भरे इंसान हैं। हुड्डा ने अपने सह-कलाकारों विनीत कुमार सिंह, रेजिना कैसंड्रा और सैयामी खेर की भी तारीफ की। उन्होंने लिखा, मेरे सह-कलाकारों का मैं आभारी हूं - आपकी प्रतिभा और एनर्जी ने हर सीन को और भी शानदार बना दिया। 'जाट' में विश्वास करने और इस कहानी को जीवंत करने के लिए मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री का दिल से धन्यवाद। गोपीचंद मलिनेनी के निर्देशन में बनी 'जाट' का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने किया है। फिल्म 10 अप्रैल को हिंदी के साथ तमिल और तेलुगू में रिलीज हो चुकी है।

## सामंथा रुथ प्रभु ने बताए अपने जीवन के मूल मंत्र

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री ने अपने जीवन के मूल मंत्र बताते हुए तस्वीरें कैप्शन के साथ पोस्ट कीं हैं। पोस्ट की गई पहली तस्वीर में उन्होंने लिखा कि वह जमीन से जुड़ी हुई हैं। साथ ही शांत और नियंत्रित हैं। दूसरे तस्वीर में उन्होंने लिखा कि वह खुद पर विश्वास करती हैं, चीजों को जानने के लिए। वहीं तीसरे तस्वीर में सामंथा ने लिखा कि वह परफेक्शन की जगह प्रगति को चुनती हैं। इसके अलावा अगले तस्वीर में उन्होंने लिखा कि वह जिस चीज को झेल नहीं पाती उसे छोड़ देती हैं और जिसे कर सकती हैं, उस पर फोकस करती हैं। पांचवें तस्वीर में अभिनेत्री ने लिखा उनकी ऊर्जा ही सबकुछ है। इसके साथ ही वह कहती हैं कि वह एक मजबूत इरादे और आत्म सम्मान से आगे बढ़ रही हैं।

# 'स्वच्छ जल व हाथ धोने की आदत से रूकेगा कुपोषण'

**नोएडा (चेतना मंच)।** जिला कार्यक्रम अधिकारी गौतमबुद्धनगर पूनम तिवारी ने बताया कि पोषण पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत 'जल स्वच्छता एवं

हाथ धोने की आदतों' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य साफ पानी की महत्ता, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा समुदाय में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

उन्होंने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों एवं सामुदायिक स्थलों पर बच्चों एवं अभिभावकों को सही ढंग से हाथ धोने की विधि का प्रदर्शन किया गया। 'स्वच्छ हाथ, स्वस्थ जीवन' की भावना को प्रोत्साहित किया गया।

स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों द्वारा साफ पानी की उपलब्धता, उपयोग एवं जलजनित रोगों से बचाव के उपायों पर जानकारी साझा की गई। बच्चों और महिलाओं ने हाथों में स्लोगन वाली तख्तियाँ लेकर स्वच्छता रैली निकाली। स्लोगन जैसे 'साफ पानी, सबकी जिम्मेदारी' एवं 'हाथ धोएं, रोग भगाएं' ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह समझाना था कि साफ पानी, हाथ धोने की आदतें और स्वच्छता से ही कुपोषण पर रोक लगाई जा सकती है और स्वस्थ समाज की नींव रखी जा सकती है।

# बाबा साहेब के सिद्धांत भेदभाव मिटाने की प्रेरणा देते हैं : डीएम

**नोएडा (चेतना मंच)।** भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आंबेडकर जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई।

इस अवसर पर जिला अधिकारी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन, अपर जिलाधिकारी भू0आ0 एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों तथा कलेक्ट्रेट के स्टाफ द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जयंती अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भारत के महापुरुष हैं। उन्होंने भारत के संविधान निर्मित होने में जो योगदान दिया है वह अनुकरणीय है। साथ ही उनका जीवन चरित्र हम सभी को सब के साथ एक जैसा व्यवहार करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सिद्धांतों से हमें धर्म, जाति, संप्रदाय अमीरी, गरीबी के भेदभाव को मिटाकर एक साथ रहने की प्रेरणा मिलती है। आज हम सभी को उनके आदर्शों का अनुकरण करने का संकल्प लेते हुए अपनी कार्यप्रणाली में उन्हें अनुकरण करना चाहिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू0आ0 बच्चू सिंह एवं सूचना विभाग के लेखाकार अरुण कुमार तथा अन्य वक्ताओं ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन चरित्र पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडे, जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी ओमहरि उपाध्याय, अननेचुरल स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। जनपद के सभी शासकीय कार्यालयों में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई।

# वॉरियर्स फिटनेस एंड फाइटर क्लब ने जीते 13 मेडल

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा के सेक्टर-21ए स्थित

नोएडा स्टेडियम में आयोजित हुई ईमा नेशनल कराटे चैंपियनशिप 2025 में वॉरियर्स फिटनेस एंड फाइटर क्लब, दनकौर के 13 होनहार बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 13 पदक अपने नाम किए हैं।

कोच कपिल नागर ने जानकारी दी कि एकेडमी के बच्चों ने 6 गोल्ड, 4 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर क्लब और क्षेत्र का नाम गर्व से ऊँचा किया है। उन्होंने बताया कि अथर्व सिंह, अक्ष यादव, पुनीत, निखिल, जय खटाना, रियांशू कुमार ने गोल्ड, वैष्णवी नागर, हिमानी ठाकुर, नव्या, रितिका ने सिल्वर तथा रिषभी गर्ग, याशी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। जबकि रियांशू कुमार ने गोल्ड व ब्रॉन्ज जीता।

कोच कपिल नागर ने खिलाड़ियों की मेहनत और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि इन बच्चों ने सीमित संसाधनों में भी उच्च स्तर की प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभिभावकों को भी उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस उपलब्धि से न केवल दनकौर क्षेत्र बल्कि पूरे गौतमबुद्धनगर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है।

# डॉ. अंबेडकर की प्रेरणा से समाज में समानता स्थापित करें : राजेन्द्र

**नोएडा (चेतना मंच)।** भारत के संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती भारतीय किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र यादव ने सेक्टर 52 स्थित कार्यालय पर मनाई।

इस मौके पर राजेन्द्र यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर वकील होने के साथ-साथ अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और महान समाज सुधारक भी थे। उन्होंने छुआछूत और जातीय भेदभाव के खिलाफ आंदोलन चलाया। डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारतीय संविधान का वास्तुकार भी माना जाता है। वह भारत के संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष भी थे। उन्होंने समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय पर आधारित संविधान की नींव रखी। बीआर अंबेडकर जयंती के मौके पर उनसे प्रेरणा लेकर समाज में समानता स्थापित करे। इस मौके पर अशोक, योगेश, शमशुद्दीन, हर्ष,आशीष, अंशुल विष्णु, विकास, दीपक आदि लोग मौजूद रहे।

# कांग्रेसियों ने डॉ. अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

**नोएडा (चेतना मंच)।** काँग्रेस कार्यकर्ताओ ने बाबा साहब डॉ भीमराव

अंबेडकर की 134वीं जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर डॉ. अंबेडकर के जीवन पर कांग्रेसियों ने प्रकाश डाला। महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में काँग्रेस कार्यकर्ताओं ने सेक्टर-37 स्थित अम्बेडकर पार्क में बाबा डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर मुकेश यादव ने बताया कि बाबा साहब डॉ भीमराव हमेशा समाज की उनती के लिए बेहतर सोचते थे। इस अवसर पर प्रदेश सदस्य वरिष्ठ नेता फिरे सिंह नागर, प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर, ललित अवाना, प्रदेश सदस्य यतेंद्र शर्मा, अल्पसंख्यक विभाग के सचिव लियाकत चौधरी, पूर्व प्रदेश सदस्य सतेंद्र शर्मा, विक्रम चौधरी, सतपाल गर्ग, सतीश पांचाल, अरुण प्रधान, रोहित कुमार, आसिफ खान, मनीष कुमार सहित कार्यकर्ता रहे।

# 66 शहीदों की याद में मनाया अग्निशमन सेवा दिवस

**नोएडा (चेतना मंच)।** मुंबई बंदरगाह में 81 वर्ष पूर्व हुए भयानक हादसे में 66 अग्निशमन सेवा के अधिकारियों व कर्मचारियों की शहादात की याद में उत्तर प्रदेश में अग्निशमन सेवादिवस मनाया गया। इस अवसर पर आमजन को अग्नि हादसों के प्रति जागरूक करने के लिए पैदल मार्च किया गया। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में अपर पुलिस आयुक्त कानून/व्यवस्था शिव हरि मीना द्वारा फायर स्टेशन में अग्निशमन अधिकारी/कर्मचारियों के साथ शहीदों को नमन करते हुए मौन धारण किया गया एवं आमजन को अग्नि हादसों के संबंध में जागरूक करने के उद्देश्य से पैदल मार्च किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

आपको बता दें कि 14 अप्रैल सन 1944 को मुम्बई बंदरगाह में फोर्टस्ट्रीकन नामक माल वाहक समुद्री जहाज में भयंकर विस्फोट के साथ भीषण अग्निकाण्ड हुआ था,जिसने सम्पूर्ण बन्दरगाह को हिला दिया था। उस आग में 144 लोग अकाल मौत के शिकार हो गये थे, जिसमें से अग्निशमन सेवा के 66 अधिकारी एवं कर्मचारी शहीद

हो गये थे। इन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, के उद्देश्य से 14 अप्रैल अग्निशमन सेवा दिवस के रुप मे मनाया जाता है।

इस अवसर पर फायर स्टेशन फेज-प्रथम नोएडा, गौतमबुद्धनगर पर शिवहरि मीना, अपर पुलिस आयुक्त (कानून/व्यवस्था) गौतमबुद्धनगर, डीसीपी नोएडा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार, जनपद के अग्निशमन अधिकारियों, अग्निशमन द्वितीय अधिकारियों तथा फायर स्टेशन फेज-प्रथम के साथ-साथ जनपद के अन्य फायर स्टेशनों से आये कर्मचारियों ने शहीदों को नमन करते हुए उनकी याद में 2 मिनट का मौन धारण किया गया। शहीदों को रपुष्पचक्र चढ़ाते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये।

श्रद्धांजलि देने के बाद जनपद के वाहनों की रैली को अपर पुलिस आयुक्त कानून/व्यवस्था, गौतमबुद्धनगर द्वारा आमजन को अग्नि से सुरक्षा के प्रति जागरूक करने एवं इससे सम्बन्धित पंपलेट वितरित किये जाने के उद्देश्य से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह पैदल मार्च फायर स्टेशन फेज प्रथम से संदीप पेपर मिल चौराहा और सेक्टर 2 के विभिन्न ब्लॉको से होते हुए फायर स्टेशन तक किया।

वहीं वाहनों द्वारा फायर स्टेशन फेज-प्रथम नोएडा से संदीप पेपर मिल चैराहा, इंडियन ऑयल चैराहा, सैक्टर 16, अट्टा, सैक्टर 18 मैट्रो स्टेशन, सैक्टर-27, जिला अस्पताल, मोदी मॉल, नोएडा स्टेडियम, सैक्टर-12/22, सैक्टर-58, शॉप्रिक्स मॉल, सैक्टर-61, यूफ्लेक्स, कैलाश हास्पिटल सैक्टर-71, इत्यादि स्थानों पर जाकर अग्नि से सुरक्षा सम्बन्धी प्रचार-प्रसार करते हुए पंपलेट वितरित किये गए।

# सनशाइन सोसायटी ने मनाया वार्षिक समारोह

**नोएडा (चेतना मंच)।** सामाजिक संगठन सनशाइन सोसायटी ने गरीब बच्चों को पढ़ाने का बड़ा काम अपने हाथ में ले रखा है। पढने-पढ़ाने के काम पर ही आधारित रहा सनशाइन सोसायटी का वर्ष-2025 का वार्षिक समारोह। एक स्कूल में आयोजित इस समारोह का थीम था 'मुझे भी पढना है, मुझे भी बढ़ना है'।

सनशाइन सोसायटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमीता तनेजा ने इस कार्यक्रम की पूरी जानकारी दी है। सुश्री रमीता तनेजा ने बताया कि नोएडा के प्रसिद्ध एनजीओ सनशाइन सोसाइटी ने पंचशील बालक इंटर कॉलेज में अपने वार्षिकोत्सव एवं स्पॉन्सर चाइल्ड मीट का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया। इस वर्ष की थीम 'मुझे भी पढ़ना है, मुझे भी बढ़ना है' संस्था के उस मूल उद्देश्य को दर्शाती है, जिसमें हर बच्चे को

शिक्षा का अधिकार और आगे बढ़ने का अवसर देने का संकल्प निहित है। वर्तमान में नोएडा, गाजियाबाद और इंदिरापुरम के विभिन्न स्कूलों में 250 से अधिक बच्चे संस्था की मदद से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और 150 से अधिक बच्चे नियमित रूप से आफ्टर स्कूल स्टडी सपोर्ट का लाभ ले रहे हैं।

कार्यक्रम में रंग-बिरंगे कपड़ों में सजे बच्चों ने पंजीकरण के बाद खेलकूद और मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। हर प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों की दो प्रस्तुतियों ने सभी को भावुक कर दिया और खूब सराहना बटोरी। सभी बच्चों को स्कूल बैग, चिप्स और हेल्थ ड्रिंक्स जैसे उपहार भी भेंट किए गए।

सनशाइन सोसाइटी के सदस्यों ने पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता दिखाते हुए रंग-बिरंगे कागज़ की झालरों से स्थल को सजाया और इस कार्यक्रम को प्लास्टिक-मुक्त व न्यूनतम कचरा उत्पन्न करने वाला आयोजन बनाया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com